www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार: 14 जून 2026
वर्ष: 17
अंक: 51 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

चांद पर अब 200 दिनों तक काम कर सकेंगे लैंडर

- परमाणु ऊर्जा विभाग के साथ एडवांस्ड हीटर बनाने की तैयारी में इसरो

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत ने अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 के साथ चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास ऐतिहासिक 'साफ्ट लैंडिंग' की थी, लेकिन विक्रम लैंडर केवल एक चंद्र-दिवस यानी पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर ही काम कर सका था। भारत अब ऐसी तकनीक विकसित कर रहा है जिससे भविष्य के लूनर लैंडर चांद पर 14 दिनों के बजाय 200 दिनों

तक काम कर सकेंगे। चंद्रमा पर दिन और रात पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर होती है। चांद की लंबी और बेहद ठंडी रात में लैंडर को बचना बड़ी चुनौती रही है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि परमाणु ऊर्जा विभाग के साथ मिलकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एडवांस्ड आर्टिफिशियल हीटर बनाने का प्रयास कर रहा है। जिसकी मदद से भविष्य के लूनर लैंडर्स को चंद्रमा पर रात के समय -200 डिग्री सेल्सियस के बेहद कम तापमान में भी 100 से 200 दिनों तक चालू रखा जा सकेगा।

100 फीसदी इथेनॉल से चलेंगी गाड़ियां, सरकार ने दी मंजूरी

- गडकरी बोले-6 हफ्ते में कंपनियां इसके लिए गाड़ियां लॉन्च करेंगी

नागपुर (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में 100 फीसदी शुद्ध इथेनॉल को बतौर ईंधन इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार, 13 जून को नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस फैसले से जुड़े नियमों और रेगुलेशंस को अंतिम रूप देने

वाली फाइल पर उन्होंने साइन कर दिए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश की कच्चे तेल (फॉसिल फ्यूल) के इम्पोर्ट पर निर्भरता को कम करना और ट्रांसपोर्ट सेक्टर से होने वाले प्रदूषण को रोकना है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने इस बदलाव को स्वीकार कर लिया है और कई बड़ी कंपनियां 100 फीसदी इथेनॉल से चलने वाले वाहन बाजार में उतारने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

ओमान तट के पास एक और हादसा

- 14 भारतीयों को ले जा रही नाव डूबी, अमेरिकी जहाज ने किया रेस्क्यू

मस्कट (एजेंसी)। ओमान के पास रविवार को एक बड़े समुद्री बचाव अभियान में 14 भारतीयों को बचाया गया है। 14 भारतीय क्रू वाली एक नाव विराट-1 ओमान में रास अल हद्द से करीब 80 नॉटिकल मील दूर डूब गई। हादसे के बाद अमेरिकी नौसेना के समुद्री गश्ती विमान मदद के लिए आगे आया। विमान ने नाव के पास लाइफ राफ्ट गिराया

और हवा से निगरानी बनाए रखी। क्रू सदस्य डूबती नाव से लाइफ राफ्ट के जरिए सफलता के साथ बाहर निकल गए। नाव डूबने के बाद सभी 14 नाविक सुरक्षित रूप से राफ्ट पर चढ़ गए। अमेरिकी नौसेना से मिली जानकारी के अनुसार, समुद्र में इमरजेंसी की स्थिति पैदा होने के बाद नाव पर सवार सभी 14 भारतीय क्रू सदस्यों ने सफलतापूर्वक जहाज छोड़ा और लाइफ राफ्ट पर सवार हो गए। मदद के लिए अलर्ट मिलने के बाद भारतीय नौसेना के जहाजों को मदद के लिए भेजा गया है।

बीजेपी नेता की हत्या: सांप्रदायिक हिंसा भड़की

– भीड़ ने आरोपी के घर पर लगाई आग, आरोपी के घर पर चला बुलडोजर, पुलिस पर पथराव

देहरादून। देहरादून के सहसपुर थाना क्षेत्र के बैरागी वाला में शनिवार शाम खेत में पानी चलाने को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष में बीजेपी नेता हत्या मामले में चार आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिये। बुलडोजर चलाकर आरोपी के घर की बाउंड्री और दो दुकानों को ध्वस्त किया जा चुका है। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। बैरागी वाला गांव में पानी छोड़ने को लेकर दो पक्षों में पिछले दो-तीन दिनों से तनाव चल रहा था और उनके बीच आपस में कहासुनी भी हुई थी। शनिवार शाम को यह विवाद इस कदर बढ़ा कि एक पक्ष के करीब 30 से 40 लोगों की उग्र भीड़ ने लाठी-डंडों के साथ दूसरे पक्ष पर धावा बोल दिया। आरोपियों ने अशोक कुमार, विनोद कुमार और राजेश कुमार तीनों पुत्र भगवत प्रसाद के साथ बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी। इस जानलेवा हमले में तीनों भाइयों को गंभीर चोटें आईं। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव किया और

घायलों को आनन-फानन में उपचार के लिए तत्काल लेहमन अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में उपचार के दौरान विनोद कुमार की दर्दनाक मौत हो गई।विनोद की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि घटना के संबंध में मृतक के भाई अशोक कुमार ने कोतवाली सहसपुर में तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 12 नामजद रज्जाक, अमन, यूनूस, जावेद, इम्तियाज, शहबाज, शराफत अली, मासूम, आदिल, शमून, सलमान, इन्तेजार और 30-40 अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध संगीन धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इसके बाद अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू की गई। पुलिस टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल चार आरोपी दबोच लिया। आरोपियों की पहचान रज्जाक पुत्र मासूम, सलमान पुत्र युनुस, जावेद पुत्र मासूम और शहबाज पुत्र शहीद निवासी बैरागीवाला, थाना सहसपुर के रूप में हुई। हत्या के बाद से ही पूरा इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया था। हत्या की खबर फैलते ही शनिवार रात सैकड़ों की संख्या में हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता गांव में जुट गए और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। देर रात तक गांव में हंगामा, नारेबाजी और भारी तनाव का माहौल बना रहा। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई बार तीखी नोकझोंक हुई। हालात बिगड़ते देख पुलिस को लाठियां फटकारनी पड़ीं। इसी दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने देहरादून-पांवटा हाईवे पर जाम लगा दिया, जबकि कुछ लोग गांव के भीतर ही विरोध प्रदर्शन करते रहे। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने घटना को लेकर कहा कि 'प्रकरण में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

नहीं थम रहे मां की आंखों से आंसू

देहरादून के सहसपुर कोतवाली क्षेत्र के बैरागीवाला गांव में भाजपा नेता विनोद कुमार की हत्या के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की मां दयावती के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बेटे को याद करते हुए वह बार-बार यही कह रही हैं कि उन्हें नहीं पता था कि खेत में पानी छोड़ने को लेकर हुआ विवाद उनके लाल को मौत की दहलीज तक पहुंचा देगा। पूरे परिवार के सामने अब भविष्य की चिंता भी खड़ी हो गई है। दयावती ने कहा कि उनका बेटा किसी लड़ाई-झगड़े में नहीं पड़ता था और हमेशा अपने काम से मतलब रखता था। पूरे गांव में उसका किसी से कोई बैर नहीं था और न ही कभी किसी से कहासुनी हुई। उनका आरोप है कि आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से हथौड़े से हमला कर उनके बेटे की जान ले ली। उन्होंने कहा कि विनोद अपने पीछे पत्नी, एक नाबालिग बेटे और बेटी को छोड़ गया है जिनके सिर से पिता का साया उठ गया है। यह दर्द परिवार को जीवनभर सालता रहेगा।

सेना के 'ड्रेस कोड' में बड़ा बदलाव

- आर्मी ने अपनाई बंदी जैकेट, छोड़ी ब्रिटिश परंपरा
- टैटू-मूंछों और हेयरकट को लेकर भी नियम सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने औपनिवेशिक दौर की परंपराओं को खत्म करने के लिए अपनी ड्रेस से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। इसके तहत औपचारिक मौकों पर बंद-गले वाली 'बंदी' जैकेट पहनने की मंजूरी दी गई है, सेरेमोनियल पाउच बेल्ट को हटाया गया है और परेड के दौरान रिव्यूइंग अधिकारियों के लिए तलवार साथ रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। इन बदलावों की जानकारी हाल ही में जारी 174 पेज के मैनुअल 'आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026' में दी गई है। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

महिलाओं की ड्रेस में भी बदलाव

नियमों के तहत महिला अधिकारी सादे रंगों की साड़ियां या दुपट्टे के साथ कुर्ता-सलवार और टखने तक की लंबाई वाली सीधी पैंट पहन सकती हैं। इनमें बिना आस्तीन वाले कुर्ते और पलाजो या सिगरेट पैंट जैसे कैजुअल लोअर पहनने पर साफ तौर पर रोक लगाई गई है। मेस ड्रेस नंबर 5 और नंबर 6 से पाउच बेल्ट हटा दी गई है। आसानी और पहचान के लिए सेना में हर यूनिफॉर्म को एक खास ड्रेस नंबर दिया जाता है। कर्नल रैंक के अधिकारियों के लिए अलग है।

यूनिफॉर्म के अलावा नियमों में भी सख्ती

यूनिफॉर्म के अलावा नियमों में कर्मचारियों के लुक और ग्रूमिंग से जुड़े कई तरह के स्टैंडर्ड शामिल हैं। जैसे कि टैटू और बॉडी पियर्सिंग से लेकर हेयरकट, मूंछें और कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल। पहली बार, नियमों में अधिकारियों को फॉर्मल ड्रेस कोड के तौर पर बंदी जैकेट पहनने की इजाजत दी गई है। यह बंदगला, लाउंज सूट, कॉम्बिनेशन ड्रेस या टाई और फॉर्मल ट्राउजर के साथ फुल-स्लीव शर्ट के अलावा है। मैनुअल में कहा गया है, पूरी आस्तीन वाली शर्ट के ऊपर बंद गले का कोट (बंदी जैकेट) पहना जा सकता है। बंदी जैकेट गले पर हुक वाली या बिना हुक वाली हो सकती है (दोनों तरह के डिजाइन मान्य हैं) और इसका रंग सॉलिड और सोबर होना चाहिए।

सीबीआई का बड़ा एक्शन:
रिश्वत लेते वन विभाग के दो अधिकारी समेत तीन गिरफ्तार

श्रीनगर, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में वन विभाग के दो अधिकारियों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई बडगाम जिले में की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रेंजर मंजूर अहमद मलिक निवासी कावोसा, मगाम, फॉरेस्टर मंजूर अहमद डार निवासी नुसगाम, खानसाहिब तथा कैजुअल लेबर बशीर अहमद गनी निवासी रम्हामा, बीरवाह के रूप में हुई है।

सूत्रों के मुताबिक, यह गिरफ्तारी सीबीआई पुलिस स्टेशन कश्मीर में दर्ज एफआईआर संख्या 05/2026 के तहत की गई है। मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 से संबंधित है। जानकारी के अनुसार, सीबीआई की एक टीम ने बडगाम के बीरवाह इलाके में जाल बिछाकर कार्रवाई की और बशीर अहमद गनी को कथित तौर पर 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई रिश्वत मांगने और अवैध धनराशि लेने की शिकायत मिलने के बाद की गई। मामले में आगे की जांच जारी है और सीबीआई अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद मामले में और खुलासे होने की संभावना है।

ममता के बाद अब उद्धव की पार्टी में छाया संकट

- बैठक में नहीं पहुंचे कई सांसद, फोन भी बंद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बड़े उलटफेर के संकेत मिल रहे हैं। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट की धड़कनें बढ़ाने वाली एक बड़ी खबर सामने आई है। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आज यानी रविवार को मुंबई स्थित अपने घर मातोश्री पर पार्टी के सभी सांसदों की एक बेहद महत्वपूर्ण और आपातकालीन बैठक बुलाई थी। लेकिन इस संवेदनशील बैठक के शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही शिरडी लोकसभा सीट से सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे पहुंच से बाहर हो गए। वहीं, दो और सांसद इसमें शामिल होने के लिए नहीं पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उद्धव ठाकरे ने दिल्ली में मौजूद अपने सभी सांसदों को तुरंत मुंबई पहुंचने के निर्देश दिए थे। यह बैठक दोपहर साढ़े बारह बजे 'मातोश्री' पर आयोजित की गई है। आगामी राजनीतिक परिस्थितियों और संसद के आगामी सत्र को लेकर रणनीति बनाने के लिए यह बैठक बुलाई गई है। सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे का मोबाइल फोन सुबह से ही लगातार बंद आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक,वाकचौरे पिछले दो दिनों से गायब हैं।

बंगाल में ढह रहा टीएमसी का 'सिंडिकेट राज'

- सहमे बाहुबली, घरों पर गरज रहे हैं बुलडोजर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में केवल शीर्ष स्तर पर ही उथल-पुथल नहीं मची है, बल्कि जमीनी स्तर पर भी तृणमूल कांग्रेस का दशकों पुराना किला ढहता नजर आ रहा है। दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर रेलवे स्टेशन के पास कभी टीएमसी के नीले-सफेद रंग में रंगा ऑटो रिक्शा यूनियन का दफ्तर अब पूरी तरह बदल चुका है।

वहां अब भारतीय मजदूर संघ का भगवा बैनर लहरा रहा है। यह बदलाव केवल झंडे का नहीं, बल्कि बंगाल की जमीनी राजनीति पर हावी टीएमसी के सिंडिकेट राज के अंत की शुरुआत है। सोनारपुर के ऑटो चालक अब राहत की सांस ले रहे हैं।

एक अंग्रेजी अखबार के साथ बातचीत में उनका कहना है कि अब उन्हें स्थानीय टीएमसी नेताओं को 120 रुपये प्रति वाहन की जबरन मासिक वसूली (कट मनी) नहीं देनी पड़ रही है।

अवैध ऊंची इमारतों पर चला बुलडोजर

कोलकाता का बेलीघाटा इलाका कभी टीएमसी का मजबूत गढ़ हुआ करता था, लेकिन अब वहां सन्नाटा पसरा है और टीएमसी के सभी दफ्तर बंद हैं। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद कोलकाता नगर निगम ने इस इलाके में धड़ल्ले से बने अवैध प्रमोटिंग और ऊंची इमारतों पर हथौड़ा चलाना शुरू कर दिया है। इस सिंडिकेट का सबसे बड़ा सरगना और टीएमसी का बाहुबली ठेकेदार राजू नस्कर अब सलाखों के पीछे है। एक पूर्व टैक्सी ड्राइवर से करोड़ों की संपत्ति का मालिक बने राजू नस्कर के खिलाफ अब स्थानीय लोग खुलकर जमीन हड़पने की शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी साफ कर दिया है कि भ्रष्टाचार में लिप्त बाहुबली बचेगा नहीं।

बाढ़ आश्रय गृह से चल रहा था 'रेत माफिया' का खेल

कोलकाता से करीब 100 किलोमीटर दूर पूर्व बर्धमान के जमालपुर ब्लॉक से जो तस्वीरें सामने आई हैं वे हैरान करने वाली हैं। यहां ब्लॉक आईएनटीटीयूसी अध्यक्ष तबरक अली मंडल और उनकी पंचायत प्रधान पत्नी आरिफा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये दोनों सरकारी कम्युनिटी सेंटर और बाढ़ आश्रय गृह पर कब्जा कर वहां से दामोदर नदी में अवैध रेत खनन का सिंडिकेट चला रहे थे। पुलिस ने इन सरकारी भवनों से ग्रामीणों को मिलने वाला खाद, बीज, कीटनाशक और मनरेगा के जॉब कार्ड जब्त किए हैं, जिन्हें ब्लैक मार्केट में बेचा जा रहा था। स्थानीय ग्रामीण शेख मुर्तजा ने बताया, यहां से हर दिन अवैध रेत ले जाते थे।

बैन लगाते रहे अमरीका-यूरोप, रूस ने कर दिया 'खेला'

- भारत की मदद से पुतिन के देश ने खेल दिया मास्टरस्ट्रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी कच्चे तेल पर अमेरिका समेत पश्चिमी देशों और यूरोपीय संघ (ईयू) ने कड़े बैन लगाए हैं। वहीं इन कड़े प्रतिबंधों और एम्बार्गो (आयात प्रतिबंध) के बावजूद एक बड़ा लूपहोल सामने आया है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की ताजा रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है कि प्रतिबंध लगाने वाले देशों को सीधे तेल न बेच पाने के बाद भी, रूसी तेल अन्य देशों की रिफाइनरियों के जरिए प्रोसेस होकर घूम-फिरकर वापस उन्हीं देशों के बाजारों में पहुंच रहा है। मई 2026 में भारत, तुर्की, ब्रूनेई और जॉर्जिया जैसे देशों ने रूसी कच्चे तेल को रिफाइन कर बड़े पैमाने पर उन देशों को

पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात किए हैं, जिन्होंने खुद रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हुए हैं।

रिलायंस की रिफाइनरी का भी रोल

इस रिपोर्ट में सीधे तौर पर उन रिफाइनरियों का जिक्र किया गया है, जहां से रिफाइंड तेल उत्पाद वापस अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे देशों में भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका को किए गए अधिकांश निर्यात का मूल स्रोत भारत में रिलायंस इंडस्ट्रीज की गुजरात स्थित जामनगर रिफाइनरी, तुर्की की स्टार रिफाइनरी और तुप्रास इजमित रिफाइनरी रही है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीन महीनों के दौरान तुर्की की स्टार रिफाइनरी के कुल क्रूड ऑयल फीडस्टॉक (कच्चे माल) का 39 प्रतिशत हिस्सा रूस से आया था। वहीं, भारत की विशालकाय 'जामनगर रिफाइनरी' के कुल फीडस्टॉक का 15 प्रतिशत हिस्सा रूसी क्रूड ऑयल पर आधारित था।

7052 करोड़ की बिक्री

रिपोर्ट के अनुसार भारत सहित चार देशों की रिफाइनरियों ने मई 2026 में कुल 641 मिलियन यूरो (करीब 7052 करोड़ रुपये) के तेल उत्पादों का निर्यात सीधे तौर पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों को किया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस कुल रकम में से अनुमानित 214 मिलियन यूरो के प्रोडक्ट सीधे तौर पर रूसी कच्चे तेल को रिफाइन करके ही तैयार किए गए थे।

आम लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं राहुल गांधी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता को जमकर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। वित्त मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश में भारत और उसके लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं। सीतारमण ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कोविड-19 वैश्विक महामारी और पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसे बड़े संकटों के दौरान भी भारत की उपलब्धियों को नजरअंदाज करते हैं। देश के सामने ऐसा कोई संकट नहीं है, जैसा राहुल गांधी पेश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में बीजेपी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बेंगलुरू में 'विकसित भारत संकल्प समावेश' का आयोजन किया गया है। इसमें पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष जब भी बोलते हैं, तो हर चीज की केवल आलोचना करते हैं और भारत के लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं।

खटीमा में जन–जन की सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गिनाई केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां

देहरादून। सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा 3 दिवसीय खटीमा प्रवास के दौरान रविवार को शहीद हरी किशन शिक्षण संस्थान, बगुलिया में आयोजित जन–जन की सरकार, मुख्य सेवक आपके द्वार कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का फूल मलाओं, थारू सांस्कृतिक नृत्य के साथ एवं अंगवस्त्र ओढ़ाकर जोरदार स्वागत किया गया। जिलाधिकारी द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित पंचमुखी हनुमान तस्वीर भेंट की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यमंत्री द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरिक्षण किया एवं ग्रामोत्थान परियोजना के अंतर्गत सदभावना सीएलएफ द्वारा संचालित दीदी कैफे का फीता काटकर शुभारम्भ किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आयोजित ह्नजन–जन की सरकार, आपके द्वारह्व कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवाओं के

हित में ऐतिहासिक फैसले लेकर देश को नई दिशा देने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, मुफ्त राशन, उज्ज्वला योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने पारदर्शिता और तकनीक के माध्यम से भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण किया है तथा योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, पर्यटन और हवाई कनेक्टिविटी के क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता लागू कर ऐतिहासिक पहल की है और नकल विरोधी कानून लागू कर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है तथा भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है और ह्नजन–जन की सरकार, आपके द्वारह्व कार्यक्रम इसी संकल्प को मजबूत करने का माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने खटीमा को अपना परिवार बताते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और भविष्य में भी विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से राज्य को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के संकल्प में सहभागी बनने का आह्वान किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि धामी सरकार प्रदेश की जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी केवल खटीमा ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड की जनता की समस्याओं के प्रति सजग रहते हैं और जनहित को सवोच्च प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि खटीमा मुख्यमंत्री जी का गृह क्षेत्र होने के कारण उनसे इस क्षेत्र का विशेष भावनात्मक जुड़ाव है। मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में क्षेत्र की छोटी से छोटी समस्या का भी गंभीरता से समाधान किया जा रहा है। वहीं जिन मामलों का समाधान शासन स्तर पर आवश्यक होता है, उन्हें तत्काल मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाया जाता है ताकि उनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

अजय मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में खटीमा सहित पूरे क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली

संक्षिप्त समाचार

हिमालय पर्यावरण सोसायटी ने किया विभूतियों का सम्मान

देहरादून। सामाजिक संस्था हिमालय पर्यावरण सोसायटी ने विभिन्न क्षेत्रों की 30 से अधिक प्रमुख विभूतियों को उत्कृष्ट योगदान के लिये दून पुस्तकालय में रविवार को हुए एक कार्यक्रम में सम्मानित किया। लखनऊ के साहित्यकार पद्म कांत शर्मा प्रभात की अध्यक्षता में हुए आयोजन में मुख्य अतिथि कर्नल अजय कोठियाल, संस्था अध्यक्ष जगदीश बाबला ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश बाबला के कृतित्व पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण किया गया। साहित्यकार समीक्षक पद्म कांत शर्मा को हिमालय गौरव मेधा रत्न सम्मान दिया गया। विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट जनों में डॉ. देवेंद्र पालीवाल, प्रो. बीके जोशी, डॉ. देवेंद्र भसीन, कमला पंत, डॉ. भारती मिश्रा, जितेन ठाकुर, मधु बेरी, डॉ. ज्योति श्रीवास्तव, डॉ. धर्मानंद मैठाणी, उत्पल सामंत, आयरव आनंद समेत अन्य विभूतियों को सम्मानित किया गया। अतिथि स्वागत संस्था महासचिव रोहित कोचगवे, संचालन डॉ. भारती मिश्रा ने किया। इस अवसर पर ज्ञानेंद्र कुमार, लक्ष्मी कान्त त्रिपाठी, दीप्ति शर्मा, आरपी श्रीवास्तव, वीपी. घिल्डियाल, वर्तिका त्रिपाठी मौजूद रहे।

टिहरी में छात्र की हत्या के विरोध में प्रदर्शन

हल्द्वानी। टिहरी जिले के देवल गांव में कक्षा 12 के छात्र केतन लाल हत्या के विरोध में रविवार को कई संगठनों ने प्रदर्शन कर नाराजगी जताई। परिवर्तनकामी छात्र संगठन के आह्वान पर क्षेत्र के प्रगतिशील और सामाजिक संगठनों ने तिकोनिया स्थित बुद्ध पार्क में सभा कर जातिवाद का विरोध किया।वक्ताओं ने कहा कि बीते आठ जून रात केतन को साजिशन में बुलाया गया। रातभर बेरहमी से पीटा गया। घटना में केतन के मित्र दिवाकर डिमरी को भी पीटकर घायल किया गया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि उच्च जाति की लड़की से मित्रता के कारण की गई यह हत्या सीधे तौर पर ह्यऑनर किलिंगह्व का मामला है। विरोध प्रदर्शन में क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन, भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी, मूल निवासी संघ, आम्बेडकर मिशन, क्रांतिकारी किसान मंच के पदाधिकारियों सहित महेश चन्द्र, टीकाराम पाण्डे, जीआर टम्टा, प्रकाश, आनन्द पाण्डेय, खीम चंद्र, सुरेश चंद्र, आफताब आलम, असलम खां,दीपक, अनुराग, आशीष, चन्दन, देशराज आदि मौजूद रहे।

पिथौरागढ़ के 23 केंद्रों में हुई समूह ग की स्नातक स्तरीय परीक्षा

पिथौरागढ़। नगर में समूह ग की स्नातक स्तरीय परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई,परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाई। परीक्षा में 60.13 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित व 39.87 प्रतिशत अभ्यर्थी अनुपस्थि रहे। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से स्नातक स्तरीय परीक्षा नगर के 23 केंद्रों में संपन्न हुई। परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर छात्र–छात्राओं की गहन जांच की गई। एडीएम योगेंद्र सिंह ने बताया कि जनपद में आदर्श जीजीआईसी मूनाकोट,बीएलएस जीजीआईसी ऐंचोली,दया सागर इंटर कॉलेज,दयानंद इंटर कॉलेज,डॉन बॉस्को स्कूल,जीआईसी आठगांवशिलिंग,जीआईसी भडकटिया,जीआईसी पीपलकोट,इंटर कॉलेज सातसिलिंग,मानस एकेडमी,एलडब्ल्यूएस जीआईसी इंटर कॉलेज,एलएसएम कैंपस,जीजीआईसी पिथौरागढ़,मिशन इंटर कॉलेज,एसआईटी,न्यू बीयरशिवा,पीएनएफ,पीएमश्री केएनयू,एसडीएस,सोर वैली पब्लिक स्कूल,एशियन एकेडमी,विवेकानंद विद्या मंदिर को परीक्षा केंद्र बनाया गया था,जिसमें 6 हजार 796 अभ्यर्थी पंजीकृत थे।

यूकेएसएसएससी परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न कराने को पुलिस रही अलर्ट

अल्मोड़ा। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए रविवार को जनपद भर में पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर रहा। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देशन में परीक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को पहले ही सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए थे। परीक्षा के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह ने लगातार विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अल्मोड़ा जोन में क्षेत्राधिकारी बलवंत सिंह रावत और रानीखेत जोन में मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह कुंवर ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की निगरानी की। पुलिस द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर के माध्यम से सघन जांच की गई। किसी भी अभ्यर्थी को मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा केंद्र के भीतर ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए स्थानीय अभिसूचना इकाई और विशेष अभियान दल की टीमें भी सक्रिय रहीं। परीक्षा को प्रभावित करने वाले संदिग्ध और असामाजिक तत्वों पर नजर रखी गई, जबकि सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक और झूठी सूचनाओं की भी निगरानी की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके ने स्वयं विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों तथा कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों को अनुशासन, सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

विश्व रक्तदाता दिवस पर शिवसेना राज्य प्रमुख गौरव कुमार सम्मानित

देहरादून। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर राजकीय दून मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिवसेना के राज्य प्रमुख गौरव कुमार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में निदेश-ाक चिकित्सा शिक्षा डॉ. अजय आर्य, दून मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आर.एस. बिष्ट तथा राजकीय दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. गीता जैन ने गौरव कुमार को सम्मान–पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके सामाजिक योगदान की सराहना की। इस अवसर पर गौरव कुमार ने कहा कि रक्तदान एक महादान है, जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का माध्यम बनता है। उन्होंने लोगों से नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय–समय पर रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्त की आवश्यकता कभी भी किसी के सामने आ सकती है, इसलिए समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ना समय की आवश्यकता है।

शिव विश्वास और पार्वतीय श्रद्धा का प्रतीकः डॉ.कमल

देहरादून। श्री श्याम सुंदर मन्दिर पटेल नगर के 43 वें वार्षिक उत्सव के दूसरे दिन कथा व्यास डॉ. कमल किशोर ने श्री राम कथा में भगवान शिव का प्रसंग सुनाते हुए कहा शिव विश्वास और पार्वती श्रद्धा के प्रतीक हैं। बिना श्रद्धा और विश्वास के भगवान को प्राप्त नही किया जा सकता। गंगोत्री धाम के डॉ. कमल किशोर ने कहा कि भगवान के प्रति शंका करने वाले का विनाश निश्चित है। उन्होंने कहा वनवास के समय राम के वियोग करने पर सती को राम के भगवान होने का संशय हो गया था। भगवान शंकर के मना करने के बावजूद सती सीता रूप धारण कर राम के सामने आई और राम ने उसको पहचान कर माता संबोधित किया। इस से व्यथित शंकर ने उसे पत्नी की बजाय माता का भाव रखा। उन्होंने कहा रावण, हिरण्यकश्यप, जयंत इत्यादि के भगवान पर संशय पर उनका विनाश ही हुआ। भगवान को दक्षता अर्थात चतुराई से नहीं बल्कि हृदय स्त्री पात्र से ही पाया जा सकता है। इस अवसर पर मन्दिर समिति प्रधान अवतार मुनियाल, मीडिया प्रभारी भूपेंद्र चड्ढा, स्नेह लता शर्मा, रुचि टुटेजा, ज्योति कोहली, कमलेश मागो, उषा चड्ढा, साक्षी वर्मा, सरोज आनंद, मीना मुनियाल मौजूद रहे।

उत्तराखंड में नर्सिंग संघों में खींचतान
कार्यकारिणी विस्तार और कार्यक्रमों पर विवाद, शासन ने बैठाई जांच

देहरादून। उत्तराखंड में मरीजों की देखरेख करने वाले नर्सिंग अधिकारियों के संघों में खींचतान पैदा हो गई है। उत्तराखंड में स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा की नर्सिंग एसो. में विवाद सुर्खियों में है। स्वास्थ्य विभाग में कार्यकारिणी पर विवाद बन गया है। बैठक में दो पक्ष आमने सामने आ गए हैं, कार्यकारिणी विस्तार के लिए एक पक्ष छह तो दूसरे तीन माह पर विस्तार की बात कह रहे हैं। उधर, चिकित्सा शिक्षा विभाग में कार्यक्रम को लेकर विवाद पनपा है और पंजीकरण शुल्क से पहले धन वसूली के भी आरोप लगे हैं। इस मामले में शासन ने बैठाई जांच, मंत्री ने भी रिपोर्ट तलब कर ली है और प्राचार्य की कमेटी जांच कर रही है। बैठक में नहीं बनी सहमति, दोनों पक्षों के अपने तर्क स्वास्थ्य विभाग में विवादः स्वास्थ्य विभाग में नर्सिंग अधिकारियों के संगठन उत्तराखंड नर्सेज सर्विसेज एसोसिएशन की प्रांतीय कार्यकारिणी का कार्यकाल बढ़ाने पर रार हो गई है। एक पक्ष का कहना है कि दो तिहाई बहुमत से छह माह कार्यकाल बढ़ाया गया है, वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि तीन माह का कार्यकाल बढ़ाया गया है, उसके बाद चुनाव होंगे। उत्तराखंड नर्सेज सर्विसेज एसोसिएशन की शनिवार को गांधी शताब्दी अस्पताल में प्रांतीय कार्यकारिणी एवं आम बैठक आयोजित की गई। जिसमें 13 जनपदों की कार्यकारिणी के पदाधिकारी भी शामिल रहे। इन दो बैठकों में दो वर्षों के कार्यों की समीक्षा की गई एवं आय व्यय का ब्योरा रखा गया। इस बैठक में कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर चर्चा की गई। अध्यक्ष भारती जुयाल ने कहा कि जनपदों से आए पदाधिकारियों एवं आम सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से छह माह कार्यकाल बढ़ाया गया है।

महंगाई और स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिद्वार। गैस, पेट्रोल–डीजल के बढ़ते दामों तथा स्मार्ट मीटर योजना के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शिवालिक नगर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर केंद्र और राज्य सरकार का पुतला फूंका। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने महंगाई और स्मार्ट मीटर व्यवस्था को आम जनता के लिए परेशानी का कारण बताया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालेश्वर सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा और वरिष्ठ कांग्रेसी राजबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री महंगाई पर बोलने को तैयार नहीं हैं। गैस, पेट्रोल और डीजल के लगातार बढ़ते दामों से परिवहन लागत बढ़ रही है, जिसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ रहा है।

इससे गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है।

नर्सिंग पैरामेडिकल की प्रवेश परीक्षा का आयोजन

देहरादून।एचएनबी मेडिकल विवि की ओर से नर्सिंग–पैरामेडिकल प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। दो दिन 13 जिलों में हुई परीक्षा में 96 फीसदी अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। कुल 14,154 में से 13,626 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा। बीएससी नर्सिंग में 7,541, जीएनएम में 2,952, एएनएम में 1,439, बीएससी पैरामेडिकल 1,416, पोस्ट बेसिक 72, एमएससी नर्सिंग 204 और एमएससी पैरामेडिकल में दो छात्रों ने परीक्षा दी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. डॉ. विजय जुयाल ने बताया कि सभी जिलों के परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा, शुचिता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ परीक्षा का आयोजन किया गया।

खनन के विरोध में नदी में उतरे ग्रामीण, मशीन रुकवाई

बागेश्वर। बैजनाथ पुल के समीप नदी में बड़ी मशीनों से किए जा रहे खनन का रविवार को तैलीहाट गांव के ग्रामीणों ने विरोध किया। आक्रोशित ग्रामीण नदी में उतर गए और मौके पर संचालित पोकलैंड मशीन को बंद करा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि मानकों के विपरीत हो रहे खनन से गांव की सिंचाई योजना प्रभावित हो रही है, पैदल मार्ग बाधित हो गया है तथा बरसात के दौरान गांव और कृषि भूमि को खतरा पैदा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार बैजनाथ पुल के पास नदी में बड़े पैमाने पर मशीनों से खनन किया जा रहा है, जिससे तैलीहाट की डाल सिंचाई योजना प्रभावित हुई है। साथ ही नदी से गांव को जोड़ने वाला रास्ता भी अवरुद्ध होने की स्थिति में पहुंच गया है। विरोध के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से पूछा कि बड़ी पोकलैंड मशीनों से खनन की अनुमति किस आधार पर दी गई है। ग्राम प्रधान पूजा मेहरा ने कहा कि खनन के कारण सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हुई है और गांव को जाने वाला मार्ग भी बाधित हो रहा है। ग्रामीण ठाकुर मेहरा ने बताया कि पैदल रास्ता अवरुद्ध हो चुका है तथा सिंचाई पंप योजना पर भी असर पड़ा है।

22 वर्षों से लंबित रेल परियोजना पर संघर्ष समिति का गुस्सा

बागेश्वर। टनकपुर–बागेश्वर रेल लाइन निर्माण की मांग को लेकर टनकपुर–बागेश्वर रेल संघर्ष समिति ने रविवार को तहसील परिसर में धरना–प्रदर्शन किया। समिति ने आरोप लगाया कि पिछले 22 वर्षों से रेल परियोजना को लेकर केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं, जबकि धरातल पर कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। समिति की अध्यक्ष नीमा दफौटी के नेतृत्व में आयोजित धरने के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2004 से रेल लाइन निर्माण की मांग को लेकर लगातार आंदोलन चल रहा है, लेकिन आज तक परियोजना पर प्रभावी कार्य शुरू नहीं हो सका। बैठक का संचालन उपसचिव चरण सिंह बघरी ने किया।आंदोलनकारियों ने कहा कि पिछले दो दशकों में कई बार रेल लाइन का सर्वे कराया गया, लेकिन मामला फाइलों तक ही सीमित रहा। उनका कहना था कि सीमांत क्षेत्रों के विकास और पलायन रोकने के लिए रेल संपर्क अत्यंत आवश्यक है, लेकिन सरकारों की उदासीनता के कारण यह योजना आगे नहीं बढ़ पा रही है। नीमा दफौटी ने कहा कि विभिन्न सरकारों ने समय–समय पर रेल लाइन निर्माण के वादे किए, लेकिन अब तक एक इंच पटरी भी नहीं बिछाई जा सकी है। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मांग की गई कि रेल परियोजना की सभी औपचारिकताएं पूरी कर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाए। चेतावनी दी गई कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरने में केशवानंद जोशी, प्रताप सिंह दानू, सोबन सिंह, गोकुल जोशी, महेंद्र सिंह, मालती पांडेय, पार्वती पांडेय, हरीश सोनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

अज्ञात ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से दो युवक घायल

हरिद्वार। सिडकुल से ड्यूटी कर बाइक से घर लौट रहे दो युवकों को एक अज्ञात ट्रैक्टर–ट्रॉली ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक की हालत नाजुक बनी हुई है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी वाहन चालक की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार, लक्सर कोतवाली क्षेत्र के गांव सीधड़ू निवासी सतपाल पुत्र चंद्रभान ने लिखित तहरीर देकर बताया कि उसका भतीजा साहिल पुत्र विनोद कुमार तथा उसका मित्र भूपेंद्र सिंह निवासी सीधड़ू प्रतिदिन सिडकुल स्थित कंपनी में कार्य करने जाते हैं। 10 जून को दोपहर में दोनों बाइक से सिडकुल से वापस घर लौट रहे थे। आरोप है कि डांडी चौक के निकट एक अज्ञात ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। हादसे में साहिल और भूपेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घटना की सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद दोनों को एंबुलेंस से भूमानंद अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद साहिल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे देहरादून स्थित महंत इंद्रेश अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

सीटी स्कैन की सुविधा नहीं मिलने से मरीज हो रहे परेशान

विकासनगर। पछुवादून का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल, उप जिला चिकित्सालय सीटी स्कैन जैसी बुनियादी जांच सुविधा से वंचित है। न्यूरो, हार्ट अटैक, सड़क दुर्घटना और सिर की गंभीर चोट वाले मरीजों को जांच के लिए देहरादून के अस्पतालों को रेफर होना पड़ रहा है। इससे गरीब मरीजों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है। इमरजेंसी में आए हेड इंज्युरी के मरीज को तुरंत सीटी स्कैन जरूरी होता है। विकासनगर अस्पताल में सुविधा नहीं होने से परिजन डेढ़ घंटे सफर तय कर मरीज को देहरादून के अस्पतालों में ले जाते हैं। प्राइवेट सेंटरों में ब्रेन सीटी के चार हजार से पांच हजार रुपये वसूले जाते हैं, जबकि सरकारी दर 750–1050 रुपये है। दिहाड़ी मजदूर और बीपीएल परिवारों के लिए यह बोझ बन जाता है। उप जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. टीएस डुंगरियाल ने बताया कि हर दिन ओपीडी में आने वाले 10 से 15 मरीजों को सीटी स्कैन करने की सलाह दी जाती है। अस्पताल में सीटी स्कैन की सुविधा नहीं होने से उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया जाता है। प्रतिमाह करीब दो सौ मरीजों को हायर सेंटर रेफर करना पड़ता है। सड़क दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील जौनसार बावर में कोई भी दुर्घटना होने पर घायलों को उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय विकासनगर में उपचार के लिए लाया जाता है।

सड़क पार कर रही महिला को जेसीबी ने कुचला, मौत

रुद्रपुर। रुद्रपुर के नैनीताल रोड स्थित परशुराम चौक के पास शनिवार रात एक तेज रफ्तार जेसीबी ने बेटी के साथ सड़क पार कर रही महिला को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक जेसीबी समेत मौके से फरार हो गया। मृतका की बड़ी बहन की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मूल खुरड़ी, ब्लॉक भिकियासैंण जिला अल्मोड़ा हाल सिविल लाइंस, रुद्रपुर निवासी ललिता जोशी ने कोतवाली रुद्रपुर में दी तहरीर में बताया कि शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे उनकी छोटी बहन 29 वर्षीय विमला हबीला अपनी बेटी के साथ उनके घर से अपने कमरे की ओर लौट रही थी। जब वह नैनीताल रोड पर परशुराम चौक के निकट विशाल मेगा मार्ट के सामने सड़क पार कर रही थी,

कैबिनेट मंत्री बहुगुणा ने सुप्रिया कॉलोनी पार्क में किया पौधरोपण

रुद्रपुर। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने रविवार को सुप्रिया कॉलोनी स्थित पार्क में पौधरोपण किया। इस दौरान उन्होंने कॉलोनीवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) शुरू हो गया है। बीएलओ घर–घर जाकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य कर रहे हैं, इसलिए मतदाताओं को जागरूक होकर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने चाहिए। मंत्री बहुगुणा ने एसआईआर अभियान के तहत सभी पात्र नागरिकों से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि आठ जून से शुरू हुए इस अभियान के अंतर्गत मतदाता प्रपत्रों का वितरण और संकलन सात जुलाई तक किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर–घर जाकर नए मतदाताओं का पंजीकरण कराने, लोगों को जागरूक करने और बीएलओ के साथ समन्वय बनाकर अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करें अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में एडीएम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी एफआर चौहान ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआ-ईआर) कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदारों और अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को 17 जून तक गणना प्रपत्रों का शत–प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एडीएम ने कहा कि निर्वाचन आयोग की तय समयसीमा के अनुसार कार्य पूरा किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कम प्रगति वाले विधानसभा क्षेत्रों और बूथों पर संबंधित अधिकारियों को दैनिक निगरानी के साथ विशेष कार्ययोजना बनाकर अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा किए जा रहे डिजिटाइजेशन कार्यों की भी समीक्षा की गई। एडीएम ने जिन बूथों पर डिजिटाइजेशन कार्य शुरू नहीं हुआ है, वहां इसे शीघ्र प्रारंभ कर गणना प्रपत्रों का वितरण पूरा करने को कहा। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखंड के दिशा–निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक निर्वाचन अधिकारी एसएल शाह और एडीआईओ एनआईसी हेमंत काला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एआई युग में सिविल सेवकों की भूमिका पर किया मंथन

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विवि के डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र की ओर से वर्चुअल माध्यम से आयोजित मंथन कार्यक्रम में एआई–संचालित भारत में भविष्य के सिविल सेवकः चुनौतियां और अवसर विषय पर चर्चा की गई। मौके पर बतौर मुख्य वक्ता उत्तराखंड वन विभाग के सहायक वन संरक्षक डॉ. दिवाकर पंत मौजूद रहे। डॉ. पंत ने वन प्रबंधन में एआई के उपयोग पर विशेष जानकारी देते हुए बताया कि रिमोट सेंसिंग और उपग्रह तकनीक की मदद से वनाग्नि की पूर्व चेतावनी, जोखिम क्षेत्रों की पहचान और प्रभावी निगरानी संभव हो रही है। वहीं जैव विविधता संरक्षण, वन्यजीव निगरानी और संरक्षण रणनीतियों के निर्माण में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। केंद्र के समन्वयक प्रो. एमएम सेमवाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शासन–प्रशासन, नीति निर्माण और जनसेवा के क्षेत्र में तेजी से बदलाव ला रही है, इसलिए भावी सिविल सेवकों के लिए इसके अवसरों और चुनौतियों को समझना आवश्यक है। कहा कि भविष्य के सिविल सेवकों को तकनीकी दक्षता के साथ नैतिक निर्णय क्षमता और मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन बनाए रखना होगा। संचालन डॉ. आशीष बहुगुणा ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रकाश सिंह, डॉ. अरविंद रावत, डॉ. वीर सिंह, डॉ. शैलेन्द्र चमोला और डॉ. मुकेश एच. सहाय सहित विवि के अनेक शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भागीरथी कला संगम ने बनाई आगामी कार्यक्रमों की स्परेखा

श्रीनगर गढ़वाल। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था भागीरथी कला संगम की मासिक बैठक रविवार को स्थानीय कल्याणेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक में संस्था के सदस्यों ने मासिक शुल्क जमा करने के साथ ही आगामी सामाजिक और जनहित से जुड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार–विमर्श किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से जल्द ही पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा समाज हित में अन्य रचनात्मक गतिविधियों को भी आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई। संस्था के निदेशक मदन गड़ोई ने भविष्य में रक्तदान शिविर आयोजित करने का सुझाव रखा। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे जरूरतमंद लोगों को जीवनदान मिल सकता है। सदस्यों ने इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसे संस्था की आगामी गतिविधियों में शामिल करने पर सहमति जताई बैठक में संस्था अध्यक्ष राजेंद्र बड़थ्वाल, रमेश चंद्र थपलियाल, दीनबंधु सिंह चौहान, संजय कोठारी, हरेंद्र तोमर, रघुबीर सिंह रावत, यमुनाप्रसाद काला, भगत सिंह बिष्ट, किशोरी लाल नौटियाल, प्रमोद नौटियाल, राजेंद्र रावत समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सड़क पर भरे गए गड्ढे उखड़ने से ग्रामीणों में नाराजगी

श्रीनगर गढ़वाल। सुपाणा–धारी मोटर मार्ग पर पड़े गड्ढों को न भरे जाने से ग्रामीणों ने नाराजगी है। लोगों का कहना है कि हाल ही में सड़क का मरम्मतीकरण का कार्य हुआ था लेकिन गुणवत्तापूर्ण कार्य न होने से कुछ ही समय बाद कई स्थानों पर भरे गए गड्ढे फिर से उखड़ने लगे हैं। स्थानीय निवासी माया देवी, धनवीर सिंह राणा, धनसिंह पटवाल, मुकेश भट्ट, रजनी देवी, सुलोचना देवी आदि का कहना है कि कार्य के दौरान गुणवत्ता पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने संबंधित कर्मियों को सड़क की स्थिति के बारे में अवगत कराया तो उनकी बात पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से सड़क की गुणवत्ता की जांच कराने तथा क्षतिग्रस्त हिस्सों की दोबारा मरम्मत करवाने की मांग की है।

देवलसारी में तितलियों और जैव विविधता से रूबरू हुए छात्र

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल देवलसारी में छह दिवसीय तितली महोत्सव के चौथे दिन विभिन्न क्षेत्रों के छात्र–छात्राओं ने देवलसारी पहुंचकर क्षेत्र के जैव विविधता के बारे में जाना। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तितली महोत्सव के आयोजक व देवलसारी पर्यावरण संरक्षण एवं विकास समिति के निदेशक अरुण गौड़ ने बताया कि पहले दिन मुख्य वन संरक्षक गढ़वाल डॉ.धीरज पांडेय ने महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि देवलसारी जैसे प्राकृतिक और जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र में इको टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। स्थानीय समुदाय की भागीदारी से प्रकृति संरक्षण के साथ रोजगार के नए अवसर भी विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने पर जोर देते हुए ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। महोत्सव में प्रतिभाग करने के लिए तितली ट्रस्ट के संजय सोंधी, कृष्ण मेघ कुंटे सहित दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र के 10 छात्र–छात्राएं भी देवलसारी पहुंचे है।

सहकारी बैंक शाखा खोलने की मांग

नई टिहरी। प्रतापनगर के रौणद–रमोली पट्टी में जिला सहकारी बैंक की शाखा खोलने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। साधन सहकारी समिति ल्वार्खा की अध्यक्ष ममता देवी ने इस संबंध में सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को ज्ञापन भेजकर ल्वार्खा में बैंक शाखा स्थापित करने की मांग की है। ज्ञापन में उन्होंने बताया है कि 24 ग्राम पंचायतों वाले इस क्षेत्र में बैंकिंग सुविधा नहीं होने से लोगों को पेंशन, छात्रवृत्ति, सरकारी योजनाओं की धनराशि, कृषि ऋण और अन्य बैंकिंग कार्यों के लिए 20 से 50 किलोमीटर दूर लंबगांव जाना पड़ता है।

हाईवे पर बह रहा पानी, घरों में सूख रहे कंठ

कोटद्वार–दुगड्डा के मध्य पेयजल लाइन लीकेज होने के कारण सड़क पर बहता पानी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः 'जल ही जीवन है, जल है तो कल है' यह संदेश अक्सर हम किताबों व शहर की दीवारों पर लिखे स्लोगनों में पढ़ते हैं। लेकिन, विडंबना यह है कि घर–घर पेयजल पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालने वाला जल संस्थान संदेश को गंभीरता से नहीं समझता। नतीजा, शहर में दशकों पुरानी पेयजल पाइपलाइनों से प्रतिदिन सैकड़ों लीटर पानी सड़कों पर बह कर व्यर्थ हो रहा है। सबसे बुरी स्थिति कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य नगर क्षेत्र को पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइपलाइन की है, जहां रिसाव के कारण बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो रहा है। गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही पेयजल समस्या भी विकराल हो रही है। कोटद्वार में शायद ही कोई ऐसा वार्ड हो जहां पेयजल किल्लत की समस्या न दिखाई दें। दरअसल, शहर में साठ के दशक में घर-घर जल पहुंचाने के लिए पेयजल लाइन बिछाई गई थी। उस समय शहर की जनसंख्या करीब दस से बीस हजार की थी। लेकिन, समय के साथ जनसंख्या बढ़ती चली गई ओर अब भी पुरानी पेयजल लाइनों से ही पानी की सप्लाई हो रही है। बूढ़ी हो चुकी पेयजल लाइनों से जगह–जगह पानी लीक होकर सड़कों पर बह रहा है। कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य पांचवे मील से पूर्व स्थित फिल्टर पंप से पानी सप्लाई करने वाली पेयजल लाइन कई स्थानों पर टूटी हुई है। पेयजल लाइनों से पानी ऐसा बह रहा है जैसे वर्षा का पानी नतीजा, अधिकांश घरों में लो–प्रेशर की समस्या बढ़ती जा रही है। वार्डवासियों ने बताया कि दशकों पुरानी पेयजल लाइनों को बदलने के लिए कई बार शासन–प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं। लेकिन, अब तक समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व कोटद्वार पहुंचे मुख्यमंत्री ने जल्द पुरानी पेयजल लाइनों को बदलने की घोषणा भी की थी।

घरों में गंदे पानी की आपूर्ति

शहर के कई स्थानों पर पेयजल लाइन गंदी नालियों के बीच से गुजर रही है। ऐसे में इन लीकेज पेयजल लाइनों से घरों में गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। ऐसे में लोगों को संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। पूर्व में काशीरामपुर क्षेत्र के अनूप बिहार में गंदा पानी पीने से कई लोगों को डायरिया हो गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि लगातार शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम व्यवस्था में सुधार नहीं कर रहा।

पहाड़ की संस्कृति का अभियान, 22 से होगा चाई ग्रामोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः पहाड़ की विशिष्ट संस्कृति एवं गांव बचाने का अनूठा अभियान ह्य चाई ग्रामोत्सव ह्य इस बार आगामी 22, 23 एवं 24 जून को आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष यह उत्सव अपनी स्थापना के 17 साल पूरे कर रहा है। जिसे लेकर गांव एवं क्षेत्र में खासा उत्साह है। आंचलिक संस्कृति के संरक्षण-संवर्द्धन के साथ ही ग्रामीण विकास पर केंद्रित ह्य चाई ग्रामोत्सवह्न जयहरीखाल विकास खंड के चाई गांव में जून 2010 से लगातार आयोजित किया जा रहा अनूठा ग्राम पर्व है । जिसमें प्रतिभाग करने के लिए गांव के सभी प्रवासी जन प्रतिवर्ष अपने गांव पहुंचते हैं। उत्सव मनाते हैं और ग्राम विकास एवं नियोजन की रूपरेखा तैयार करते हैं। स्थानीय ग्रामीण जनों के अतिरिक्त देश के अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, चिंतक और बुद्धिजीवी इस समारोह में शिरकत करते हैं। अपनी सार्थक सोच और बहुआयामी दृष्टि के कारण ह्यचाई ग्रामोत्सवह्न आज पर्वतीय क्षेत्र में विकास का एक मॉडल बन चुका है। इसके असर से ग्रामीण गांव लौट रहे हैं और नई पीढ़ी अपनी इतिहास–परंपरा का बोध प्राप्त कर उसे अपनाने का निश्चय कर रही है । गांव चाई से प्रेरित होकर पहाड़ के अधिसंख्य गांवों में जो ग्रामोत्सव कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, वह पलायन से जूझ रहे पहाड़ के लिए एक शुभ संकेत है। इन दिनों ग्राम चाई में आयोजित होने वाले 17वें त्रिदिवसीय ह्यचाई ग्रामोत्सवह्न को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। महोत्सव की औपचारिक शुरुआत 22 जून को देव पूजन व कलश यात्रा से होगी। नगर पंचायत अध्यक्ष (सतपुली)जितेंद्र सिंह चौहान, समाजसेवी जगदंबा डंगवाल, शिक्षाविद् मनवर सिंह रावत (नई दिल्ली), जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पूनम नेगी एवं ब्लॉक प्रमुख (जयहरीखाल) रणवीर सिंह सजवाण त्रिदिवसीय महोत्सव में अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष जगमोहन बुडाकोटी ने बताया कि ग्रामोत्सव के पहले दिन 22 जून को धर्मेंद्र रावत ग्रुप तथा दूसरे दिन 23 जून को संस्कृति विभाग उत्तराखंड की भजन संध्या आकर्षण का केंद्र होगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी महोत्सव में शामिल होने की अपील की है।

अस्पताल भवन निर्माण सामग्री से क्षतिग्रस्त हुई नाली

उत्तरकाशी। नगर के व्यस्ततम मार्गों में शामिल विश्वनाथ चौक से जिला अस्पताल रोड तक नाली व्यवस्था बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का आरोप है कि जिला अस्पताल परिसर में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान निर्माण सामग्री नालियों में जमा होने से जल निकासी व्यवस्था प्रभावित हो गई है। कई स्थानों पर नालियां क्षतिग्रस्त भी हो चुकी हैं जिससे बरसात का पानी सड़क पर बह रहा है।रविवार को दोपहर बाद हुई बारिश के दौरान विश्वनाथ चौक के आसपास पानी जमा हो गया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नालियों की सफाई और मरम्मत नहीं की गई तो मानसून के दौरान हालात और गंभीर हो सकते हैं। क्षेत्र के व्यापारियों को आशंका है कि तेज बारिश होने पर पानी दुकानों में घुस सकता है, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। स्थानीय निवासी संजय , राजेंद्र पंवार, मुकुल आदि का कहना है कि यह मार्ग जिला अस्पताल को जोड़ता है और रोजाना बड़ी संख्या में मरीज, तीमारदार और आम लोग यहां से गुजरते हैं। सड़क पर बहता पानी और जलभराव आवाजाही में परेशानी पैदा कर रहा है। वहीं, अस्पताल रोड से आगे नीचे की तरफ निर्माण सामग्री फैली पड़ी है और उसके ऊपर रेहड़ी ठेलियां लगाई जा रही है। इस कारण मार्ग संकरा होने और बरसात में जल भराव की स्थिति से वहां से वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। लोगों ने नगर पालिका और संबंधित विभाग से तत्काल नालियों की सफाई, मरम्मत और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ ही सड़क से अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

अग्निकांड से प्रभावित परिवारों को वितरित की राहत सामग्री

नई टिहरी। बालगंगा तहसील के कोट गांव में बीते 12 जून की देर रात को आग लगने से प्रभावित हुए परिवारों को प्रशासन ने राहत सामग्री वितरित की। रविवार को नायब तहसीलदार महेशा शाह, खाद्य पूर्ति अधिकारी अमित भंडारी, राजस्व उपनिरीक्षक गौरव नाथ गांव पहुंचे। उन्होंने प्रभावित परिवारों को एक राशन किट, दो कंबल और आर्थिक सहायता के रूप में ढाई–ढाई हजार रुपये के तीन चेक और पांच हजार रुपये का एक चेक प्रदान किया। एसडीएम मंजू राजपूत ने बताया कि आग लगने की घटना से परिवार प्रभावित हुए परिवारों को राहत उपलब्ध करा दी गई है। बताया कि प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा भी दिया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभाग की टीम को क्षति का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। टीम की रिपोर्ट मिलने के बाद नुकसान के अनुरूप मुआवजे की कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धबली मंदिर में उमड़ी श्रद्धलुओं की भीड़, व्यवस्था बनाने में छूटे पसीने

रविवार को कोटद्वार स्थित श्री सिद्धबली मंदिर में दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में स्थित श्री सिद्धबली मंदिर में रविवार को भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। घंटों लाइन में खड़े श्रद्धलुओं ने बाबा के दर्शन कर अपने परिवार के लिए सुख शांति की कामना की। मंदिर में भक्तों के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया गया था।

सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। बाबा के दर्शन के लिए भक्तों को घंटों कतार में खड़ा रहना पड़ा। सुबह करीब नौ बजे के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में अचानक बढ़ोतरी हुई, जिससे मंदिर परिसर से लेकर मुख्य प्रवेश द्वार तक लंबी लाइनें लग गईं। भीषण गर्मी भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकी। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ का असर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी देखने को मिला। मंदिर के आसपास वाहनों का लंबा जाम लग गया, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यातायात और भीड़ प्रबंधन के लिए पुलिसकर्मियों को पूरे दिन कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए विशेष भंडारे का आयोजन भी किया गया। भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर अपने परिवार और समाज की सुख–समृद्धि एवं शांति की कामना की।

मालिनी महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों नं बांध समां, जलेबी दौड़ में प्रियंका रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भाबर क्षेत्र में आयोजित मालिनी महोत्सव के तीसरे दिन स्कूली बच्चों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। महिलाओं की जलेबी दौड़ प्रतियोगिता में प्रियंका कंडवाल ने प्रथम स्थान हासिल कर बाजी मारी।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मंडी समिति अध्यक्ष सुमन कोटनाला, समाजसेवी शोभा रावत, प्रकाश कोठारी और मयंक कोठारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि महोत्सव हमारी संस्कृति और सभ्यता की पहचान हैं। ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के प्रति जागरूक करना समय की आवश्यकता है। आयोजक समिति के सदस्य गौरव जोशी ने बताया

कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में आयोजित मालिनी महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार।

कि महोत्सव के अंतर्गत महिलाओं के लिए जलेबी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रियंका कंडवाल ने प्रथम, बबीता देवी ने द्वितीय तथा पिंकी रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। आयोजन समिति के सदस्य सौरभ नौटियाल ने बताया कि 15 जून को महोत्सव में लोकगायिका कल्पना चौहान, लोकगायक मुकेश खत्री तथा हास्य कलाकार संदीप चिलबट अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।

श्रीनगर में पेट्रोल–डीजल का पर्याप्त भंडार

श्रीनगर गढ़वाल। चारधाम यात्रा के दौरान ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने श्रीनगर नगर निगम क्षेत्र के पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध पाया गया। साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए पानी, हवा व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी संतोषजनक मिलीं।पूर्ति निरीक्षक विजय कुमार केंतुरा ने रविवार को भक्तियाना स्थित एनआईटी क्षेत्र से लेकर फरासू तक संचालित पांच पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि किसी भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल व डीजल की कमी नहीं पाई गई है और सभी स्थानों पर ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा सीजन के दौरान श्रीनगर क्षेत्र के सभी पेट्रोल पंपों को मिलाकर प्रतिदिन करीब 30 हजार लीटर पेट्रोल और 30 हजार लीटर डीजल की खपत हो रही है। इसके बावजूद सभी पेट्रोल पंपों पर लगभग 60 हजार लीटर पेट्रोल और 60 हजार लीटर डीजल का भंडार उपलब्ध है जिससे यात्रियों और स्थानीय उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

निरीक्षण के दौरान पेट्रोल पंपों पर पेयजल, हवा भरने की सुविधा व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित मिलीं।

कीर्तिनगर–चौरास मोटर मार्ग पर बिछाई जा रही इंटरलॉकिंग टाइल्स

श्रीनगर गढ़वाल। विकासखंड कीर्तिनगर के 100 से अधिक गांवों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है।

लोक निर्माण विभाग ने कीर्तिनगर–धौडंगी–सौराखाल मोटर मार्ग के चौरास क्षेत्र में सड़क सुधार कार्य आरंभ कर दिया है। करीब तीन करोड़ 18 लाख 19 हजार रुपये की लागत से सड़क के आरसीसी हिस्सों पर इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाई जा रही हैं जिससे लंबे समय से जर्जर मार्ग पर आवागमन सुगम हो सकेगा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मोटर मार्ग के करीब 9.7 किलोमीटर हिस्से पर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही सड़क के उन हिस्सों की भी मरम्मत की जाएगी जहां गड्ढे बन गए हैं या सड़क क्षतिग्रस्त हो चुकी है। ऐसे स्थानों पर ब्लैकटॉप कर मार्ग को पूरी तरह दुरुस्त किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग कीर्तिनगर के अधिशासी अभियंता धीरेंद्र कुमार ने बताया कि इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने का कार्य बैरांगना क्षेत्र से शुरू कर दिया गया है। प्रथम चरण में यह कार्य डुंगरी तक किया जाएगा। इसके बाद चौरास क्षेत्र के अन्य आंतरिक संपर्क मार्गों पर भी इसी प्रकार का निर्माण कार्य किया जाएगा ताकि पूरे क्षेत्र में सड़क नेटवर्क को बेहतर बनाया जा सके।

पर्यटकों का दबाव, कोटद्वार में रेंग-रेंगकर चले वाहन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः पहाड़ जा रहे पर्यटकों व प्रवासियों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि शहर की सड़कों पर पूरे दिन जाम की स्थिति बन रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग समेत शहर के प्रमुख मार्गों पर सुबह से लेकर शाम तक कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े वाहन यातायात बाधित होने का प्रमुख कारण बने। मैदानी क्षेत्रों में पड़ रही भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक और प्रवासी पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। वहीं, स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू होने के बाद परिवारों का आवागमन भी बढ़ गया है। इसके चलते कोटद्वार की मुख्य सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। नजीबाबाद चौराहे से लेकर सिद्धबली मंदिर तक कई बार लंबा जाम लगा रहा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की रफ्तार पूरे दिन धीमी बनी रही और यात्रियों को घंटों तक परेशानी का सामना करना पड़ा। कोटद्वार–दुगड्डा मार्ग पर स्थिति सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। पिछले दिनों हुई वर्षा के बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्सों की मरम्मत नहीं हो पाई है। कई स्थानों पर सड़क संकरी और क्षतिग्रस्त होने के कारण वाहनों के आवागमन में परेशानी हो रही है।

कोटद्वार की सड़कों पर लगा वाहनों का जाम

रोटरी क्लब ने 50 वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र में बनाई विशिष्ट पहचान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रोटरी क्लब के पचास वर्ष पूर्ण होने पर सदस्यों ने क्लब के योगदान के बारे में बताया। कहा कि क्लब ने अपने 50 वर्षों के सफर में शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा राहत और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है।

एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में रोटरी क्लब के अध्यक्ष ऋषि ऐरन ने क्लब की उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 21 जून को क्लब अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण कर रहा है। इस अवसर पर स्वर्ण जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। ग्रुप स्टडी एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत विदेश भेजे गए 17 प्रतिभागियों का सम्मान किया जाएगा। इसके अलावा चार्टर सदस्यों, मंडल के सभी पूर्व मंडलाध्यक्षों, पत्रकारों तथा क्लब के पूर्व अध्यक्षों को भी सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि

कोटद्वार में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते रोटरी क्लब के पदाधिकारी।

रोटरी क्लब कोटद्वार ने पिछले 50 वर्षों में कोटद्वार, भाबर, गढ़वाल एवं उत्तराखंड क्षेत्र में समाजसेवा के अनेक कार्य किए हैं। इनमें पोलियो उन्मूलन एवं जागरूकता अभियान, अंगदान और नेत्रदान जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के प्रोत्साहन कार्यक्रम, साक्षरता अभियान, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान, आपदा राहत कार्य, स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविरों का आयोजन प्रमुख हैं।

इसके अतिरिक्त निर्धन छात्र–छात्राओं को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने, शिक्षा केंद्र संचालित करने, साइकिल वितरण तथा गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था जैसे कई जनकल्याणकारी कार्य भी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के ये कार्य भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे। प्रेस वार्ता का संचालन गोपाल बंसल ने किया, जबकि क्लब सचिव विजय कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अध्यक्ष ऋषि ऐरन, सचिव विजय कुमार, सचिन गोयल, विजय कुमार माहेश्वरी, कमल गुप्ता, अमित अग्रवाल, अनीत चावला, गोपाल बंसल, ज्योति स्वरूप उपाध्याय, संजीव अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, दिनेश रस्तोगी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

देवभूमि में बढ़ता सांप्रदायिक तनाव

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के विकास नगर क्षेत्र में आपसी विवाद को लेकर एक हिंदू युवक की हत्या कर दी गई जो की एक राष्ट्रीय दल का कार्यकर्ता भी था। हत्या की प्रतिक्रिया भी उग्र रूप में सामने आई तो वही पुलिस विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार करते हुए बुलडोजर की कार्रवाई भी की है। जिस प्रकार से एकजुट होकर युवक की हत्या की गई वह खुद में एक चिंताजनक है मानो पहले से ही ऐसे माहौल को बनाने का प्रयास किया जा रहा था। बात करें उत्तराखंड की तो यहां माहौल कभी भी सांप्रदायिक तनाव का नही रहा है। उत्तराखंड को सदियों से शांति, भाईचारे और सांस्कृतिक सौहार्द की भूमि माना जाता रहा है। यहां विभिन्न धर्मों, जातियों और समुदायों के लोग मिल–जुलकर रहते आए हैं। लेकिन हाल के वर्षों में छोटी–छोटी घटनाओं को सांप्रदायिक रंग देकर समाज में वैमनस्य फैलाने की कोशिशें बढ़ी हैं, जो राज्य की सामाजिक एकता के लिए गंभीर खतरा है। देखा जाए तो उत्तराखंड का अतीत दर्शाता है कि देशभर में भले ही सांप्रदायिक दंगे हुए हो लेकिन उत्तराखंड इसे हमेशा अच्युत ही रहा है। यहां के लोगों ने हमेशा शांत रहकर ऐसी परिस्थितियों से बचने का प्रयास किया है।अब परिस्थितियों बदल रही है जिस प्रकार से सांप्रदायिक विमान से फैल रहा है वह समाज के लिए बेहद घातक है। साम्प्रदायिक विवाद कभी भी किसी समाज का भला नही करते। इनसे केवल नफरत, भय और अविश्वास पैदा होता है। जब दो समुदाय आमने–सामने आते हैं तो सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों, व्यापारियों, युवाओं और महिलाओं को उठाना पड़ता है। विकास कार्य प्रभावित होते हैं और राज्य की छवि भी धूमिल होती है। उत्तराखंड की पहचान देवभूमि के रूप में है'यहां की संस्कृति प्रेम, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान की रही है। कुछ असामाजिक तत्व यदि अपने राजनीतिक, सामाजिक या व्यक्तिगत स्वार्थों के लिए समाज को बांटने का प्रयास करते हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। कानून से ऊपर कोई नही है और किसी भी प्रकार की हिंसा या उकसावे को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। आज सोशल मीडिया का समय है और एक छोटी सी खबर फैलते हुए समय नहीं लगाती। सोशल मीडिया के दौर में अफवाहें और भड़काऊसंदेश तेजी से फैलते हैं। नागरिकों का कर्तव्य है कि किसी भी अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करें और न ही उसे आगे बढ़ाएं। प्रशासन को भी फर्जी खबरें फैलाने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी धर्मों और समुदायों के लोग मिलकर सामाजिक सौहार्द को मजबूत करें। राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और धार्मिक नेताओं को भी जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी। उत्तराखंड की शांति और विकास तभी संभव है जब हम नफरत नही, बल्कि भाईचारे और संवाद का मार्ग अपनाएं। देवभूमि की पहचान साम्प्रदायिक संघर्ष नही, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता है। इस पहचान को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

डोनाल्ड ट्रंप के 40 झूठ पर भारी पड़ा ईरान

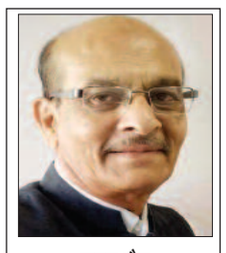

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध को लेकर अभी तक 40 बड़े झूठ बोले हैं। हर झूठ के बाद शेयर बाजार में उस झूठ का असर दिखा, लेकिन ईरान के ऊपर इसका कोई असर नहीं हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति के मसीहा बनना चाहते थे। उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद इजराइल और गजा का युद्ध बंद कराने की बात कही थी। उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच समझौता करने की बात कही थी। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप कहीं सफल नहीं हो पाए। उल्टे ईरान युद्ध में वह बुरी तरह से फंस गए हैं। जहां से अब उन्हें निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगता था वह दुनिया के सबसे बड़े शक्तिशाली देश के राष्ट्रपति हैं, उनकी बात को सब मानेंगे। एक समय पर वह अपने आप को शांति के नोबेल पुरस्कार का हकदार मानकर चल रहे थे। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप इतना झूठ बोलने के बाद भी अपने मनोवांछित फल को प्राप्त नहीं कर पाए। इस दुख का एहसास डोनाल्ड ट्रंप से ज्यादा किसको हो सकता है। जिस ईरान पर पिछले 47 सालों से अमेरिका ने प्रतिबंध लगा कर रखा और ईरान की जनता को भारी कष्ट पहुंचाया। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई और हमले में 165 से ज्यादा जिन बच्चों की हत्या की थी, लगता है यह पाप ट्रंप का पीछा नहीं छोड़ रहा है। अमेरिका जैसे महा शक्तिशाली राष्ट्र के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान जैसा कमजोर देश इस तरह की चुनौती देगा यह उनके सपने में भी नहीं था।

ईरान ने जिस तरह से पिछले 4 महीने में अमेरिका को उसकी औकात दिखाई है इसकी कल्पना शायद किसी ने भी नहीं की थी। ईरान जैसा कमजोर देश, जिस पर इतने सारे प्रतिबंध लगे हों, अमेरिका ने जहां सत्ता पलटने की भरपूर कोशिशें कर लीं हों, आर्थिक दृष्टि से कमजोर ईरान उसे इस तरह से मात देगा। उसके कारण डोनाल्ड ट्रंप को इतने सारे झूठ बोलने पड़ेंगे। 40 झूठ बोलने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप अपने आप को इस युद्ध से बाहर नहीं निकाल पा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था कि ईरान और अमेरिका के बीच समझौता हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आज 14 जून को जन्मदिन है। उन्होंने यह कहा था कि वह अपने जन्मदिन पर सारी दुनिया को एक तोहफा देने जा रहे हैं। लेकिन यह तोहफा भी वह नहीं दे पा रहे हैं। इस समझौता पत्र पर जिनेवा में हस्ताक्षर किया जाना था, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास आराघची ने यह कहकर समझौते पर पलीता लगा दिया है कि अभी समझौते की शर्तों पर सहमति नहीं बनी है। समझौते की शर्त पर सहमति बन जाने के बाद ईरान की सरकार जनता के सामने उन शर्तों को रखकर जनता की मंजूरी मिलने के बाद समझौते पर हस्ताक्षर करेगी। ईरान की राजनीति, कूटनीति और सामरिक रणनीति अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के लिए बहुत भारी पड़ी है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी ईरान की रणनीति के सामने बेबस हो गए हैं। अगले कुछ ही महीनो में इजराइल में आम चुनाव होने जा रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू जिस तरह से इस युद्ध में पराजित हो रहे हैं, ऐसी स्थिति में राजनीति के क्षेत्र में इन दोनों नेताओं का जो दबदबा था वह दबदबा पूरी तरह से खत्म होने की कगार पर खड़ा हो गया है।

ईरान, इजराइल और अमेरिका के इस युद्ध से राजनेताओं को सबक लेने की जरूरत है। आप कितने भी मजबूत हों लेकिन यदि किसी को जरूरत से ज्यादा आप परेशान करते हैं या दबाते हैं तो ऐसी स्थिति में कोई भी ताकत कम नहीं होती है। रूस महाशक्ति था, महाशक्ति है लेकिन एक यूक्रेन जैसे छोटे देश ने जिस तरह से रूस का मुकाबला किया है। ईरान जिसके ऊपर पिछले 47 वर्षों से तरह-तरह के प्रतिबंध लगाकर लगातार उसे कमजोर किया गया था, उसने भी अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई की हत्या के बाद जिस तरह से अपने आप को बचाने के लिए हर तरह से मुकाबला किया, उसने सारी दुनिया को आश्चर्यचकित किया है। वर्तमान स्थितियों को देखते हुए यह भी कहा जा सकता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने झूठ बोलकर भले अरबों डॉलर की कमाई शेयर बाजार से कर ली हो, लेकिन उनके झूठ ने उनकी और अमेरिका की साख में जो बट्टा लगाया है, उसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती है। जिस तरह की स्थितियां वैश्विक स्तर पर बनी हैं, इस तरह से सत्ता में बैठे हुए लोगों को अपनी ताकत का जो अहंकार है वह अहंकार किस तरह से टूटता है, अमेरिका, ईरान और इजराइल युद्ध इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवसः सम्मान और सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला

बुजुर्ग हमारे अनुभव, संस्कार और जीवन मूल्यों की अमूल्य धरोहर हैं। कहना गलत नहीं होगा कि वे अनुभव और मार्गदर्शन का ऐसा खजाना होते हैं, जिसकी तुलना किसी भी भौतिक संपत्ति से नहीं की जा सकती। सच तो यह है कि बुजुर्ग केवल हमारे अतीत का ही हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे हमारे वर्तमान की नींव और भविष्य के पथप्रदर्शक भी हैं। किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बच्चों और बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। बुजुर्ग परिवार को एकजुट रखने वाले घने छायादार व बड़े वृक्ष के समान होते हैं। अपने अनुभवों और मूल्यों के माध्यम से वे नई पीढ़ी को सही दिशा प्रदान करते हैं तथा जीवन में सफलता और ऊंचाइयों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।सच तो यह है कि बुजुर्ग हमारी संस्कृति और परंपराओं के संवाहक हैं तथा बच्चों के लिए आदर्श की भूमिका निभाते हैं। परिवार में उनकी उपस्थिति सुरक्षा, विश्वास और भावनात्मक संबल का एहसास कराती है। वे परिवार के सदस्यों के बीच उत्पन्न होने वाले मतभेदों और विवादों को सुलझाने में मध्यस्थ की भूमिका निभाते हैं तथा घर में एकता और सामंजस्य बनाए रखते हैं। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान, सुरक्षा और उचित देखभाल करना हम सभी का नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष 15 जून को विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस बुजुर्गों के प्रति होने वाले शोषण, उपेक्षा, हिंसा और आर्थिक दुर्व्यवहार के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए समर्पित है।

यहां पाठकों को बताता चलूं कि विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस की शुरूआत पहली बार 15 जून 2006 को इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर द प्रिवेंशन ऑफ एल्डर एब्यूज और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई थी। इसके बाद दिसंबर 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने अपने प्रस्ताव ए/आरईएस/66/127 के माध्यम से 15 जून को आधिकारिक रूप से विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की। तब से यह दिवस पूरी दुनिया में संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आज के समय में बदलती जीवनशैली और पारिवारिक संरचनाओं के कारण अनेक बुजुर्गों को उपेक्षा, अकेलेपन और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक दिन हम भी वृद्धावस्था में प्रवेश करेंगे। इसलिए हमें यह समझना चाहिए कि जिस व्यवहार की अपेक्षा हम अपने लिए करते हैं, वही सम्मान हमें आज अपने बुजुर्गों को देना चाहिए। यह दिवस हमें बुजुर्गों के साथ होने वाले शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और वित्तीय दुर्व्यवहार के प्रति सचेत करता है। अनेक बुजुर्ग डर, शर्म, सामाजिक दबाव अथवा जानकारी के अभाव में अपने साथ हो रहे अत्याचार की शिकायत नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें अपनी आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करना तथा उन्हें प्रभावी सुरक्षा तंत्र उपलब्ध कराना इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य है।

यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में हर छह में से एक बुजुर्ग, अर्थात लगभग 15.7 प्रतिशत, किसी न किसी प्रकार के दुर्व्यवहार का शिकार होता है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि बुजुर्गों के साथ होने वाले 24 मामलों में से केवल एक मामला ही अधिकारियों तक पहुंच पाता है। अधिकांश मामले बदनामी, पारिवारिक संबंधों के टूटने या अपनों को खोने के डर से घर की चारदीवारी के भीतर ही दबकर रह जाते हैं। दुर्व्यवहार के मामलों में सबसे बड़ा हिस्सा मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का होता है, जो लगभग 11.6 प्रतिशत है। इसमें ताने देना, अपमान करना, बात न करना या अकेला छोड़ देना जैसी स्थितियां शामिल हैं। दुखद तथ्य यह भी है कि अधिकांश मामलों में दुर्व्यवहार करने वाले बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि स्वयं परिवार के सदस्य–जैसे बच्चे, जीवनसाथी या करीबी रिश्तेदार होते हैं। इसके बाद वित्तीय धोखाधड़ी और आर्थिक शोषण के मामले सामने आते हैं। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक दुनिया में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 2 अरब तक पहुंच जाएगी। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो बुजुर्ग दुर्व्यवहार के शिकार लोगों की संख्या बढ़कर 32 करोड़ से अधिक हो सकती है, जो पूरे विश्व के लिए एक गंभीर सामाजिक चुनौती होगी।

भारत में बुजुर्गों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 लागू है। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा अटल वयो अभ्युदय योजना तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन एल्डर लाइन जैसी सुविधाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि बुजुर्गों को आवश्यक सहायता और संरक्षण मिल सके। वर्ष 2025 की थीम थी-दीर्घकालिक देखभाल केंद्रों में बुजुर्गों के दुर्व्यवहार को संबोधित करनाः डेटा और कार्रवाई के माध्यम से, जबकि वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम है-जागरूकता से परेः बुजुर्ग दुर्व्यवहार रोकथाम को व्यावहारिक बनाना। यह थीम स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि अब केवल जागरूकता फैलाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसे मजबूत और व्यावहारिक तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है जो जमीनी स्तर पर बुजुर्गों के खिलाफ होने वाले अपराधों और दुर्व्यवहार को रोक सकें। इस अंतरराष्ट्रीय दिवस का आधिकारिक प्रतीक बैंगनी रंग है। गौरतलब है कि 15 जून के दिन दुनिया भर में लोग बैंगनी रंग के कपड़े पहनकर या पर्पल रिबन लगाकर बुजुर्गों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं तथा उनके विरुद्ध होने वाली हिंसा और दुर्व्यवहार के खिलाफ एकजुटता प्रदर्शित करते हैं।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और भौतिक सुविधाएं उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है। उन्हें सम्मान, प्रेम, मानसिक शांति, आत्मनिर्भरता और गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करना भी उतना ही आवश्यक है। कानून अपनी भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन जब तक परिवार और समाज में संवेदनशीलता, सम्मान और मानवीय मूल्यों का विकास नहीं होगा, तब तक बुजुर्गों के प्रति होने वाले दुर्व्यवहार को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। बुजुर्ग हमारे परिवार और समाज की जड़ें हैं। यदि हम उनकी सुरक्षा, सम्मान और खुशहाली सुनिश्चित करेंगे, तभी एक संवेदनशील, सभ्य और संस्कारित समाज का निर्माण संभव होगा।

सोमवती अमावस्या : श्रद्धा, विश्वास और लोकजीवन की आस्था का महापर्व

कांतिलाल मांडोत

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को पितरों के स्मरण और तर्पण का दिन माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जब यही अमावस्या सोमवार को आती है, तब इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि सोमवार भगवान शिव की उपासना का विशेष दिन माना गया है। इस प्रकार सोमवती अमावस्या पितृ पूजा और शिव भक्ति का अनूठा संगम बन जाती है।

भारतीय संस्कृति में तिथि, पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि वे समाज की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना के जीवंत प्रतीक भी होते हैं। इन्हीं महत्वपूर्ण पर्वों में सोमवती अमावस्या का विशेष स्थान है। जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन पड़ती है, तब उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। वर्ष 2026 में यह पावन अवसर 15 जून को मनाया जा रहा है। इस दिन अमावस्या, सोमवार, पितृ स्मरण, शिव आराधना तथा दान-पुण्ग य का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

सोमवती अमावस्या का लोकजीवन में बहुत बड़ी अहमियत है। श्रद्धा और विश्वास के साथ जुड़ी यह तिथि लोगों के उल्लास, आस्था और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं तथा दान-पुण्य के माध्यम से समाज और धर्म के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हैं।

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को पितरों के स्मरण और तर्पण का दिन माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जब यही अमावस्या सोमवार को आती है, तब इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि सोमवार भगवान शिव की उपासना का विशेष दिन माना गया है। इस प्रकार सोमवती अमावस्या पितृ पूजा और शिव भक्ति का अनूठा संगम बन जाती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन प्रातःकाल ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करने का विशेष महत्व है। यदि गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान का अवसर प्राप्त हो जाए तो इसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। जो लोग तीर्थस्थलों तक नहीं पहुंच पाते, वे घर पर स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करते हैं। स्नान के पश्चात भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित किए जाते हैं तथा सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की जाती है।

सोमवती अमावस्या पर पीपल वृक्ष की पूजा का भी विशेष महत्व है। भारतीय परंपरा में पीपल को देववृक्ष माना गया है। मान्यता है कि इसमें देवताओं का वास होता है। महिलाएं और पुरुष पीपल के वृक्ष की पूजा कर उसकी परिक्रमा करते हैं तथा परिवार के सुख, स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का भी संदेश देती है। भारतीय संस्कृति ने वृक्षों को पूजनीय बनाकर पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी बढ़ावा दिया है। लोकजीवन में सोमवती अमावस्या केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का भी पर्व है। इस दिन दान-पुण्य करने की परंपरा लोगों को जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करती है। अन्न, वस्त्र, फल, मिठाई, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करके लोग समाज के कमजोर वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। इससे सामाजिक सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

भारत के विभिन्न राज्यों में सोमवती अमावस्या को अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। कहीं विशाल मेले लगते हैं तो कहीं धार्मिक यात्राएं निकाली जाती हैं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बन जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जाता है। परिवार के सदस्य एक साथ पूजा करते हैं और धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं। इससे पारिवारिक एकता और सामाजिक जुड़ाव को भी बल मिलता है।

महिलाओं के लिए भी सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। अनेक महिलाएं इस दिन व्रत रखती हैं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि तथा पति की दीर्घायु के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करती हैं। धार्मिक विश्वास है कि श्रद्धा और भक्ति से किया गया व्रत जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और मंगलकारी फल प्रदान करता है।

वर्ष 2026 की सोमवती अमावस्या को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इस दिन कई शुभ संयोग एक साथ बन रहे हैं। सोमवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या, ज्येष्ठ अधिक मास का समापन और मिथुन संक्रांति जैसे योग इस दिन के धार्मिक महत्व को और अधिक बढ़ा रहे हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से भी इसे पुण्यकारी अवसर माना जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए जप, तप, दान और पूजा का फल सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक प्राप्त होता है। सोमवती अमावस्या हमें अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में जहां लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं, वहीं ऐसे पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। पितरों का स्मरण केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अपनी विरासत, परिवार और संस्कारों के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम है।

आज के समय में जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा जीवन का प्रमुख हिस्सा बनती जा रही है, तब सोमवती अमावस्या जैसे पर्व हमें आध्यात्मिकता, सेवा, दया और परोपकार का संदेश देते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, परिवार और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

अंततः कहा जा सकता है कि सोमवती अमावस्या भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपराओं का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह श्रद्धा, विश्वास, भक्ति, दान और पितृ सम्मान का अनुपम संगम है। लोकजीवन में इसकी गहरी पैठ है और करोड़ों लोगों की आस्था इससे जुड़ी हुई है। यह पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक एकता, पारिवारिक सौहार्द, प्रकृति संरक्षण और मानवीय मूल्यों को भी सुदृढ़ करता है। श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण सोमवती अमावस्या वास्तव में भारतीय लोकजीवन के उल्लास, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

टेक्सास में भारत विरोधी बयानबाजी पर भड़के भारतवंशी सांसद, कहा-अप्रवासी भारतीयों ने अमेरिका को बनाया है

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन से भारतवंशी सांसद श्री थानेदार ने टेक्सास के फ्रिस्को शहर में सामने आई भारत विरोधी बयानबाजी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि प्रवासियों ने अमेरिका को और अधिक मजबूत बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने टेक्सास के फ्रिस्को शहर पर 'भारतीयों के कब्जे' जैसी टिप्पणियां कीं और आव्रजन तथा एच-1बी वीजा से जुड़ी बहस के दौरान भारतीय-अमेरिकी समुदाय को निशाना बनाया। इसे भारतीयों के खिलाफ नफरत भड़काने के तौर पर देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पर भारतीय अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा, 'यह नफरत से भरा बेहद घृणित कृत्य है। हमारे देश में नस्लवाद के लिए कोई जगह नहीं है।' हाल ही में फ्रिस्को में एक व्यक्ति द्वारा भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फाड़ने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। फ्रिस्को और टेक्सास के अन्य हिस्सों में भारत विरोधी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए थानेदार ने कहा, 'मैं अमेरिकी सपने की तलाश में अमेरिका आया था। मुझे यहां शिक्षा पाने, कारोबार खड़ा करने, हजारों लोगों को रोजगार देने और अब कांग्रेस में अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला।' उन्होंने कहा कि प्रवासी अमेरिका की ताकत हैं और भारतीय-अमेरिकियों ने अपनी प्रतिभा से हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। थानेदार ने कहा, 'भारतीय-अमेरिकियों और उनकी असाधारण प्रतिभा का अमेरिकी कहानी में एक खास स्थान है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे भारतीय-अमेरिकी होने पर गर्व है और मैं नफरत तथा नस्लवाद के खिलाफ हमेशा खड़ा रहूंगा।' गौरतलब है कि फ्रिस्को की करीब 2.5 लाख आबादी में एक-तिहाई से अधिक लोग एशियाई मूल के हैं। इसी वजह से उन्हें शहर पर कब्जा करने जैसे आरोपों का सामना करना पड़ रहा है।

'बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना ने की दो की हत्या, छह लापता'; मानवाधिकार संगठनों ने किया खुलासा

क्वेटा , एजेंसी। बलूचिस्तान में आम लोगों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार जारी हैं। मानवाधिकार संगठनों ने शुक्रवार को दावा किया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दो और नागरिकों की गैर-न्यायिक हत्या कर दी है। जबकि छह अन्य लोगों को जबरन गायब कर दिया गया है। मानवाधिकार संगठन बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के अनुसार, 19 वर्षीय किसान शबीर अहमद का गोलियों से छलनी शव आठ जून को वाशुक जिले के बसीमा इलाके में मिला। वह एक महीने से अधिक समय से लापता था। बीवाईसी ने बताया कि शबीर को 27 अप्रैल को कथित तौर पर जबरन उठाया गया था। उसके परिवार को उसकी स्थिति या ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। संगठन ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह बलूचिस्तान में जबरन गायब किए जाने और बाद में शव मिलने की लगातार सामने आ रही घटनाओं का हिस्सा है। एक अन्य मामले में, पुलिस कांस्टेबल शाह हुसैन (26 वर्षीय) की पिछले महीने पंजगुर जिले के तस्प इलाके में कथित तौर पर हत्या कर दी गई। बीवाईसी के अनुसार, शाह को 29 अक्तूबर 2025 को जबरन गायब किया गया था। बाद में तीन नवंबर को रिहा किया गया था। संगठन का आरोप है कि इस दौरान उन्हें अवैध हिरासत में रखकर प्रताड़ित किया गया।

नेपाल के बीपी हाईवे पर 300 मीटर गहरी खाई में गिरी बस, 8 यात्रियों की दर्दनाक मौत, 16 लोग घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में एक बार फिर भीषण सड़क हादसे ने कई परिवारों को गहरे शोक में डाल दिया है। नेपाल के सेंट्रल कावरेपालनचोक जिले के बुच्चाकोट इलाके में बीपी हाईवे के पास सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। बीपी हाईवे के पास एक पैसेंजर बस सड़क किनारे खाई में गिर गई। जिला प्रशासन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलने पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया। कवरेपालनचोक के जिला प्रमुख गोपाल कुमार अधिकारी ने बताया कि बस में सवार कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 घायल यात्रियों का जिले के धुलीखेल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। अधिकारी ने कहा, 'घायलों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।' घटना के बाद, पुलिसवालों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर घायलों को बचाया और हॉस्पिटल पहुंचाया। यह दुर्घटना बीपी हाईवे के पास उस समय हुई जब बस बनेपा से सुंगुरे की ओर जा रही थी। इसी दौरान शुक्रवार दोपहर नमोबुद्ध म्युनिसिपैलिटी के बुच्चाकोट में एक खाई में गिर गई। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 यात्री घायल हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि बस हाईवे से करीब 300 मीटर नीचे गिर गई। दुर्घटना का कारण अभी तक पता नहीं चला है। हाल के सालों में नेपाल में सड़क हादसों में बढ़ोतरी देखी गई है, साथ ही सड़कों पर गाड़ियों की संख्या भी बढ़ी है। एक दशक पहले, नेपाल ट्रैफिक पुलिस ने 4,999 सड़क हादसों की रिपोर्ट दी थी।

शहबाज सरकार ने की रक्षा बजट में 18% की भारी बढ़ोतरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। आर्थिक तंगहाली और भारी विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे पाकिस्तान ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपना वार्षिक बजट पेश कर दिया है। शुक्रवार को नेशनल असेंबली में पेश किए गए इस बजट का कुल परिव्यय 18.77 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए (लगभग 67.49 अरब डॉलर) रखा गया है। इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक तरफ जहां मुल्क दिवालिया होने की कगार पर है, वहीं दूसरी तरफ सरकार ने रक्षा खर्च में जबरदस्त इजाफा किया है।

रक्षा बजट में 18 फीसदी का इजाफा : पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने बजट पेश करते हुए घोषणा की कि जुलाई से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष में रक्षा के लिए 3 ट्रिलियन (तीन हजार अरब) रुपए आवंटित किए जाएंगे। यह पिछले साल के 2.55 ट्रिलियन रुपए के रक्षा बजट की तुलना में 18 फीसदी अधिक है।

इसके ठीक विपरीत, शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र की अनदेखी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, शिक्षा पर सरकारी खर्च 23% घटकर महज 962 अरब रुपए रह गया है। अब पाकिस्तान की जीडीपी में शिक्षा का हिस्सा घटकर सिर्फ 0.8% रह गया है, जो किसी भी देश के भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत है।

विकास कार्यों पर चली कैंची : बजट के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि सरकार ने सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए लोक कल्याणकारी और विकास कार्यों के बजट को काफी सीमित कर दिया है। संघीय विकास खर्च के लिए केवल 1 ट्रिलियन रुपए आवंटित किए गए हैं, जो रक्षा बजट का महज एक तिहाई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह फैसला दिखाता है कि इस्लामाबाद आर्थिक दबावों के बावजूद अपनी सैन्य तैयारियों को प्राथमिकता दे रहा है।

सरकारी कर्मचारियों को राहत : बजट में सरकारी कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में 7% की बढ़ोतरी की गई है और न्यूनतम मजदूरी को 10% बढ़ाने का प्रस्ताव है। हालांकि, एक चौंकाने वाले फैसले में सरकार ने अमीर वर्ग पर लगने वाले 9% सरचार्ज को हटा दिया है, जिसकी आलोचना हो रही है। सरकार ने अगले वित्त वर्ष के लिए 4% जीडीपी ग्रोथ का लक्ष्य रखा है।

आईएमएफ की शर्तें और जनता पर टैक्स की मार : पाकिस्तान का यह बजट पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के 7 अरब डॉलर के प्रोग्राम को पटरी पर बनाए रखने की कोशिशों पर केंद्रित है। सरकार ने 15.26 ट्रिलियन रुपए का भारी-भरकम टैक्स रेवेन्यू लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल से 8.2% अधिक है। राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 3.6% तक सीमित रखने का लक्ष्य है। हालांकि, इन लक्ष्यों को हासिल करने का सीधा बोझ सैलरी पाने वाले मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा, क्योंकि टैक्स कटौती की अब कोई गुंजाइश नहीं बची है।

कर्ज सबसे बड़ी चुनौती, हर साल ब्याज की किस्तें चुकाने में 8 लाख करोड़ खर्च होंगे : पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 18 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा का बजट पेश किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने संसद में यह बजट प्रस्ताव रखा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की शर्तों को पूरा करने और देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए इस बजट में कड़े आर्थिक फैसले लिए गए हैं। दस्तावेजों के अनुसार, पाकिस्तान की सबसे बड़ी चुनौती अब भी कर्ज है। कुल 18.8 लाख करोड़ के बजट में से 8.05 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए सिर्फ पुराने कर्ज और उसके ब्याज की किस्तें चुकाने में खर्च हो जाएंगे। बजट में रक्षा खर्च को खास प्राथमिकता दी गई है। सरकार ने सेना और रक्षा से जुड़े खर्चों के लिए करीब 3 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए आवंटित किए हैं। इसके अलावा रक्षा सेवाओं के प्रशासनिक खर्च के लिए 1.7 लाख करोड़ रुपए अलग से रखे गए हैं। पिछले साल के मुकाबले रक्षा बजट में 17.5 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। नए वित्त वर्ष में 4% (जीडीपी) ग्रोथ का लक्ष्य रखा है, जबकि औसत महंगाई दर 8.2% रहने का अनुमान जताया गया है। सरकारी कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में 7% की बढ़ोतरी की गई है, साथ ही न्यूनतम मजदूरी में 10% की वृद्धि का प्रस्ताव है। अमीर वर्ग पर लगने वाले 9% सरचार्ज को हटा दिया गया है। पाकिस्तान में गरीबी लगातार बढ़ रही है, जबकि शिक्षा पर सरकारी खर्च में भारी गिरावट दर्ज की गई है। पाकिस्तान इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 के अनुसार, देश की गरीबी दर 2018-19 के 21.9% से बढ़कर 2024-25 में 28.9% हो गई है।

अमेरिकी संसद में भारतीय मूल के टेक दिग्गज सोमसेगर को दिया गया सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के प्रौद्योगिकी कार्यकारी और उद्यमी शिवरामकृष्णन 'सोमा' सोमसेगर को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। शिवरामकृष्णन माइक्रोसॉफ्ट में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं और बाद में वे अमेरिका के पैसिफिक नॉर्थवेस्ट में एक प्रमुख वेंचर कैपिटलिस्ट बने थे। वाशिंगटन की कांग्रेस सदस्य सुजैन डेलबेने ने प्रतिनिधि सभा में कहा कि सोमासेगर हमारे समुदाय के एक अद्भुत तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी, नेता और मित्र थे। डेलबेने ने कहा कि सोमासेगर की असाधारण प्रबंधन क्षमता, समर्पण और मेहनत ने उन्हें माइक्रोसॉफ्ट में लगातार आगे बढ़ाया और वे 2015 तक सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के पद पर रहे। उन्होंने कहा, 'माइक्रोसॉफ्ट में साथ काम करने के दौरान उन्हें जानने का मौका मिलना मेरे लिए खुशी की बात थी। उनकी मुस्कान और मिलनसार स्वभाव जिस भी कमरे में वे जाते थे, वहां ऊर्जा भर देते थे।' डेलबेने ने कहा कि उन्होंने अनगिनत स्टार्टअप्स का गाइड किया और हमारे क्षेत्र के इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कांग्रेस सदस्य ने उन्हें महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रबल समर्थक भी बताया, जो ऐसे संगठनों का समर्थन करते थे, जो मौके और बराबरी को बढ़ावा देने के लिए काम करते थे। अपने संबोधन का बड़ा हिस्सा डेलबेने ने सोमासेगर के परिवार को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी अकिला और उनकी दो बेटियां उनकी दुनिया का केंद्र थीं। उन्होंने कहा, 'वे अक्सर अपने परिवार के बारे में अत्यंत सम्मान, कृतज्ञता और गर्व के साथ बात करते थे। उनकी हर उपलब्धि के पीछे अपने परिवार के प्रति उनका प्रेम था। जो भी उन्हें जानता था, वह यह भी जानता था कि उनका परिवार उन्हें प्रेरित करता था, उनका साथ देता था और उनके व्यक्तित्व को आकार देता था।' डेलबेने ने अपने सहयोगी सांसदों से सोमासेगर की विरासत का सम्मान करने का आग्रह करते हुए कहा कि उनके परिवार, मित्र और सहकर्मी आने वाले सालों तक उनकी दयालुता और बुद्धिमत्ता को याद रखेंगे। दक्षिण भारत में जन्मे और पले-बढ़े सोमसेगर 1989 में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ने से पहले लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने के लिए अमेरिका चले गए थे। उन्होंने कंपनी के इतिहास के सबसे अहम प्रोडक्ट्स में से एक, विंडोज एनटी के विकास में अहम भूमिका निभाई। माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने के बाद, सोमसेगर मैड्रोन वेंचर ग्रुप में मैनेजिंग डायरेक्टर के तौर पर शामिल हुए।

भारत के बाद अब चीन दौरे पर जाएंगे नेपाल के विदेश मंत्री, वांग यी से करेंगे मुलाकात

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल इस रविवार को चीन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने इस दौरे की घोषणा की है। मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, खनाल 14 से 17 जून 2026 तक चीन के दौरे पर रहेंगे। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने उन्हें इस यात्रा के लिए न्योता दिया है। बीजिंग में शिशिर खनाल और वांग यी के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। इस दौरान दोनों नेता नेपाल और चीन के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। वे आपसी हित के मुद्दों और सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर बात करेंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान खनाल चीन के कुछ अन्य उच्च स्तरीय नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। शिशिर खनाल ने मार्च के अंत में विदेश मंत्री का पद संभाला था। पद संभालने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। वे पिछले हफ्ते पांच जून को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के निमंत्रण पर दिल्ली पहुंचे थे। भारत दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई थी। भारत में हुई बैठक में दोनों विदेश मंत्रियों ने आपसी संबंधों की समीक्षा की। इसमें विकास कार्य, कनेक्टिविटी, व्यापार, ऊर्जा और लोगों के बीच आपसी रिश्तों जैसे विषय शामिल थे। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक और ट्रेनिंग जैसे क्षेत्रों में हो रही प्रगति पर संतोष जताया। दोनों देश अपने रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सहमत हुए। इस दौरे पर भारत और नेपाल के बीच आपराधिक मामलों में आपसी कानूनी सहायता समझौते (एमएलएटी) को लागू करने की प्रक्रिया पूरी हुई। यह समझौता सीमा पार होने वाले अपराधों की जांच और कानूनी कार्यवाही में मदद करेगा। इसके अलावा, भारत ने नेपाल को 72 स्वास्थ्य केंद्र और 12 सांस्कृतिक विरासत परियोजनाएं सौंपीं। ये सभी निर्माण कार्य 2015 के भूकंप के बाद भारत की मदद से पूरे किए गए हैं। डिजिटल क्षेत्र में भी एक बड़ा कदम उठाया गया। भारत के यूपीआई और नेपाल के एनपीआई को आपस में जोड़ा गया। इससे दोनों देशों के बीच पैसा भेजना आसान हो जाएगा।

ट्रंप का दावा: अमेरिकी हमले में ट्रेन डी अरागुआ गैंग का सरगना ढेर, यूएस में हिंसा और नशे के लिए जिम्मेदार था

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने एक सैन्य अभियान में कुख्यात आपराधिक संगठन ट्रेन डी आरगुआ के सरगना हेक्टर रश्टेनफोर्ड गुएरो फ्लोरेस को ढेर कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि यह कार्रवाई वेनेजुएला के सहयोग से की गई। अमेरिका पहले ही ट्रेन डी अरागुआ को आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है।

50 लाख डॉलर का था इनाम : अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सप्ताह की शुरुआत में वेनेजुएला में गैंग के एक ठिकाने पर यह सैन्य कार्रवाई की गई थी। गुरेरो फ्लोरेस पर न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत में आपराधिक साजिश रचने, आतंकवादियों को समर्थन देने और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप लगाए गए थे। अमेरिकी विदेश विभाग ने उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने वालों के लिए 50 लाख डॉलर तक के इनाम की घोषणा की थी।

अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'ट्रेन डी अरागुआ के आतंकवादियों के लिए अब वेनेजुएला या दुनिया के किसी भी हिस्से में सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है। मेरे नेतृत्व में हम इन खूंखार हत्यारों और ड्रग माफियाओं को कहीं भी खोज निकालेंगे और उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाएंगे।' हालांकि, इस अभियान को लेकर वेनेजुएला की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

गैंग पर पहले भी कार्रवाई : ट्रंप प्रशासन ने हाल के महीनों में इस गैंग के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए हैं। प्रशासन ने नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप में इस गैंग की छोटी नौकाओं को निशाना बनाकर कई सैन्य हमले किए हैं। सितंबर की शुरुआत से अब तक ऐसे अभियानों में 200 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। इस अभियान के लिए अमेरिका की खूब आलोचना भी हुई। ट्रंप और उनके प्रशासन का आरोप रहा है कि अमेरिकी शहरों में बढ़ती हिंसा और अवैध ड्रग कारोबार के पीछे ट्रेन डी अरागुआ की बड़ी भूमिका है।

वेनेजुएला की जेल से शुरू हुआ था गैंग : ट्रेन डी अरागुआ की शुरुआत एक दशक से अधिक पहले वेनेजुएला के अरागुआ राज्य की एक कुख्यात जेल से हुई थी। देश में आर्थिक संकट और प्रशासनिक विफलताओं के बीच गैंग ने जेल के भीतर अपना प्रभाव बढ़ाया और बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक फैल गया। गुरेरो फ्लोरेस ने जेल के भीतर एक समानांतर व्यवस्था खड़ी कर ली थी, जहां जबरन वसूली और हिंसा के जरिए कैदियों पर नियंत्रण रखा जाता था। समय के साथ जेल परिसर में चिड़ियाघर, बेसबॉल मैदान, कैसीनो और रेस्तरां जैसी सुविधाएं भी विकसित कर ली गई थीं, जबकि गुरेरो खुद एक आलीशान सुइट में रहता था। बता दें कि ईरान पर दो दिनों के हमले के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने उधर से ध्यान हटाने का फैसला किया है। वह ईरान के साथ समझौते के बेहद करीब होने का दावा कर रहे हैं।

ढाका में भगवान राम की विशाल प्रतिमा पर लगी रोक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बन रही भगवान राम की विशाल प्रतिमा के निर्माण पर प्रशासन ने रोक लगा दी है, जिससे विवाद छिड़ गया है। बता दें कि बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी उपजिला में स्थित श्रीश्री राधागोविंद और काली मंदिर परिसर में भगवान राम की प्रतिमा बनाई जा रही थी, जिसे प्रशासन रूकवा दिया। मामलें को लेकर लेखिका तस्लीमा नसरीन और हिन्दू संगठनों ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता का मुद्दा बताते हुए कड़ी निंदा की है। बताया जा रहा है कि यहां दुनिया की सबसे बड़ी भगवान राम की प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा था। जिसे बांग्लादेश के अधिकारियों ने निलंबित करने का आदेश दे दिया है। यह प्रतिमा बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबारी उपजिला में स्थित श्री श्री राधा गोविंदा और काली मंदिर के परिसर में लगाई जा रही थी। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक मंदिर के सलाहकार श्याममल कुमार महंत ने गुरुवार शाम मंदिर सभागार में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान यह जानकारी दी थी। बांग्लादेश सरकार के इस फैसले के बाद तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। आरोप लगाया गया है कि भगवान राम की प्रतिमा का निर्माण इस्लामी समूहों के दबाव में रोका गया है।

लेखिका और मानवाधिकार कार्यकर्ता तस्लीमा नसरीन ने भगवान राम मंदिर के निर्माण के निलंबन की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस देश में कई लाख मस्जिदें हैं और कई का निर्माण जारी है। वहां केवल हिंदू पूजा स्थल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? नसरीन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बांग्लादेश में कई लाख मस्जिदें हैं और नई मस्जिदों को निर्माण हो भी रहा हैं। फिर भगवान राम की मूर्ति के निर्माण का इतना विरोध क्यों? अगर धार्मिक स्वतंत्रता सबके लिए है, तो यह हिन्दू अल्पसंख्यकों पर भी समान रूप से लागू होनी चाहिए, न कि केवल बहुसंख्यकों पर।

लेखिका तस्लीमा नसरीन ने आगे कहा कि पालाशबारी, गाइबांधा में निर्माणाधीन राम मंदिर के खिलाफ मिल रही धमकियां और नफरत भरी बयानबाजी बेहद चिंताजनक है। किसी भी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए किसी दूसरे समुदाय के पूजा स्थल को गिराने का अधिकार नहीं मिल सकता क्योंकि उन्हें वह पसंद नहीं है। नसरीन ने सवाल उठाया 'दुनिया भर के कई मुस्लिम बहुल देशों में बड़े-बड़े हिंदू मंदिर हैं। लेकिन वहां मंदिरों का अस्तित्व उनके लिए खतरा नहीं माना जाता। तो फिर बांग्लादेश में एक मंदिर के निर्माण को लेकर इतना बवाल क्यों? बांग्लादेशी समाचार पत्र 'ब्लिट्ज' के संपादक ने भी जताई चिंता बता दें कि बांग्लादेशी समाचार पत्र 'ब्लिट्ज' के संपादक सलाहुद्दीन शोएब चौधरी ने भी भगवान राम के विशाल प्रतिमा के निर्माण के रुकने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि बांग्लादेश के गाइबांधा जिले में चल रहे सनातन परिसर के अधिकारियों ने स्थानीय जिहादी और इस्लामी समूहों के दबाव में आकर भगवान राम की मूर्ति का निर्माण रोकने की घोषणा की है। भगवान राम की प्रतिमा के निर्माण पर रोक केवल एक निर्माण परियोजना तक सीमित नहीं रह गया है। अब यह मामला बांग्लादेश में धार्मिक स्वतंत्रता, अल्पसंख्यक अधिकारों और सामाजिक सौहार्द से जुड़े व्यापक सवालों का है। सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने इस मुद्दे को लेकर सभी समुदायों के अधिकारों की समान सुरक्षा की मांग की है।

अराघची बोले- अमेरिका के साथ समझौता बेहद करीब; ट्रंप ने ईरानी विदेश मंत्री की पोस्ट शेयर की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच कई महीनों से जारी तनाव और संघर्ष के बाद अब शांति की उम्मीदें मजबूत होती नजर आ रही हैं। दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रूथ सोशल पर ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची की समझौते से जुड़ी पोस्ट को री-पोस्ट किया है।

अराघची ने दिया समझौते का संकेत : ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन कभी इतना करीब नहीं रहा।' उन्होंने कहा कि समझौते को अंतिम रूप दिए जाने तक मीडिया को इसकी शर्तों को लेकर अटकलें लगाने से बचना चाहिए। अराघची ने यह भी कहा कि उनकी सरकार पारदर्शिता और जिम्मेदारी की नीति का पालन करती है और उचित समय पर समझौते की सभी जानकारियां सार्वजनिक की जाएंगी। ट्रंप द्वारा इस पोस्ट को साझा किए जाने के बाद माना जा रहा है कि दोनों पक्ष किसी बड़े समझौते के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते पर हस्ताक्षर होते ही तेहरान को बड़ी आर्थिक राहत या नकद सहायता मिलेगी। वेंस ने इन खबरों को भ्रामक बताते हुए कहा कि केवल किसी समझौते पर हस्ताक्षर करने या वार्ता में शामिल होने के बदले ईरान को कोई धनराशि नहीं दी जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में वेंस ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से बनी चिंताओं का समाधान निकालना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी आर्थिक लाभ को ईरान द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने से जोड़ा गया है। वेंस ने कहा कि प्रस्तावित समझौते को इस तरह तैयार किया गया है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की सुरक्षा प्राथमिकता बनी रहे। यदि ईरान समझौते की शर्तों का पालन करता है, तभी उसे आर्थिक लाभ मिल सकते हैं। उनका मानना है कि यह समझौता पूरे क्षेत्र में स्थायी शांति और आर्थिक स्थिरता का रास्ता खोल सकता है। हाल के दिनों में अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच सैन्य तनाव ने पूरे पश्चिम एशिया को एक बार फिर बड़े युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया था। हालांकि अप्रैल से लागू संघर्षविराम के बाद बातचीत का दौर जारी रहा और अब समझौते की संभावनाएं मजबूत होती दिखाई दे रही हैं।

ट्रंप ने ईरान पर भारतीय जहाजों पर हमले करने का आरोप लगाया, तेहरान ने इसे 'निराधार' बताया

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले करने का आरोप लगाते हुए इस कथित कार्रवाई को ''पूरी तरह अस्वीकार्य'' बताया जबकि तेहरान ने इस आरोप को ''निराधार'' करार दिया।

ओमान तट के पास भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर हुए घातक हमलों के बाद अब अमेरिका और ईरान के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर सीधे तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले करने का आरोप लगाया है और इसे 'पूरी तरह अस्वीकार्य' बताया है। दूसरी तरफ, ईरान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उल्टा अमेरिका पर ही जहाजों पर हमला करने और भारतीय नाविकों की जान लेने का गंभीर आरोप मढ़ दिया है। इनमें से एक हमले में बुधवार को तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में दावा किया, ''भारतीय जहाजों के होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलते समय उन पर कल रात किया गया (ईरान का) ड्रोन हमला बिल्कुल अस्वीकार्य है।'' इसी पोस्ट में ट्रंप ने ईरान पर उस शांति समझौते की शर्तें मीडिया को लीक करने का भी आरोप लगाया, जिनका वार्ता में चर्चा किए जा रहे मुद्दों से कोई संबंध नहीं है।

ईरान ने ट्रंप के आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया। भारत में ईरानी दूतावास ने शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''होर्मुज जलडमरूमध्य में एक भारतीय जहाज को लेकर ईरान पर लगाया गया अमेरिकी राष्ट्रपति का आरोप पूरी तरह निराधार है।'' दूतावास ने कहा, ''यह जनता का ध्यान इस क्रूर तथ्य से भटकाने की कोशिश है कि अमेरिका ने एक सप्ताह से भी कम समय में तीन भारतीय जहाजों पर हमला किया है और तीन निर्दोष भारतीय नाविकों की जान ली है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।'' ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत ने ओमान तट के निकट भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी हमलों के विरोध में नयी दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब किया है। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों पर हुए इन हमलों को ''बेहद चिंताजनक'' बताया है और इस मुद्दे को अमेरिका के समक्ष सख्ती से उठाया है।

भारतीय नाविकों की मौत पर ईरान ने क्या कहा : ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने भारतीय नाविकों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों की जान जाना बेहद दुखद है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। बघाई ने अमेरिका की कार्रवाई को सशस्त्र लूट और राज्य प्रायोजित समुद्री डकैती करार दिया। उन्होंने भारतीय जनता और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। ईरान का कहना है कि समुद्री मार्गों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान सभी देशों की जिम्मेदारी है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ईरान की क्या मांग है : ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अमेरिका की कथित कार्रवाई की जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की है। बघाई ने कहा कि बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं वैश्विक शांति, समुद्री व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता के लिए खतरा हैं। उनका कहना है कि यदि ऐसे मामलों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं से भी इस मुद्दे पर ध्यान देने की अपील की है।

हमारे अच्छे कर्मों से

खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है- योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

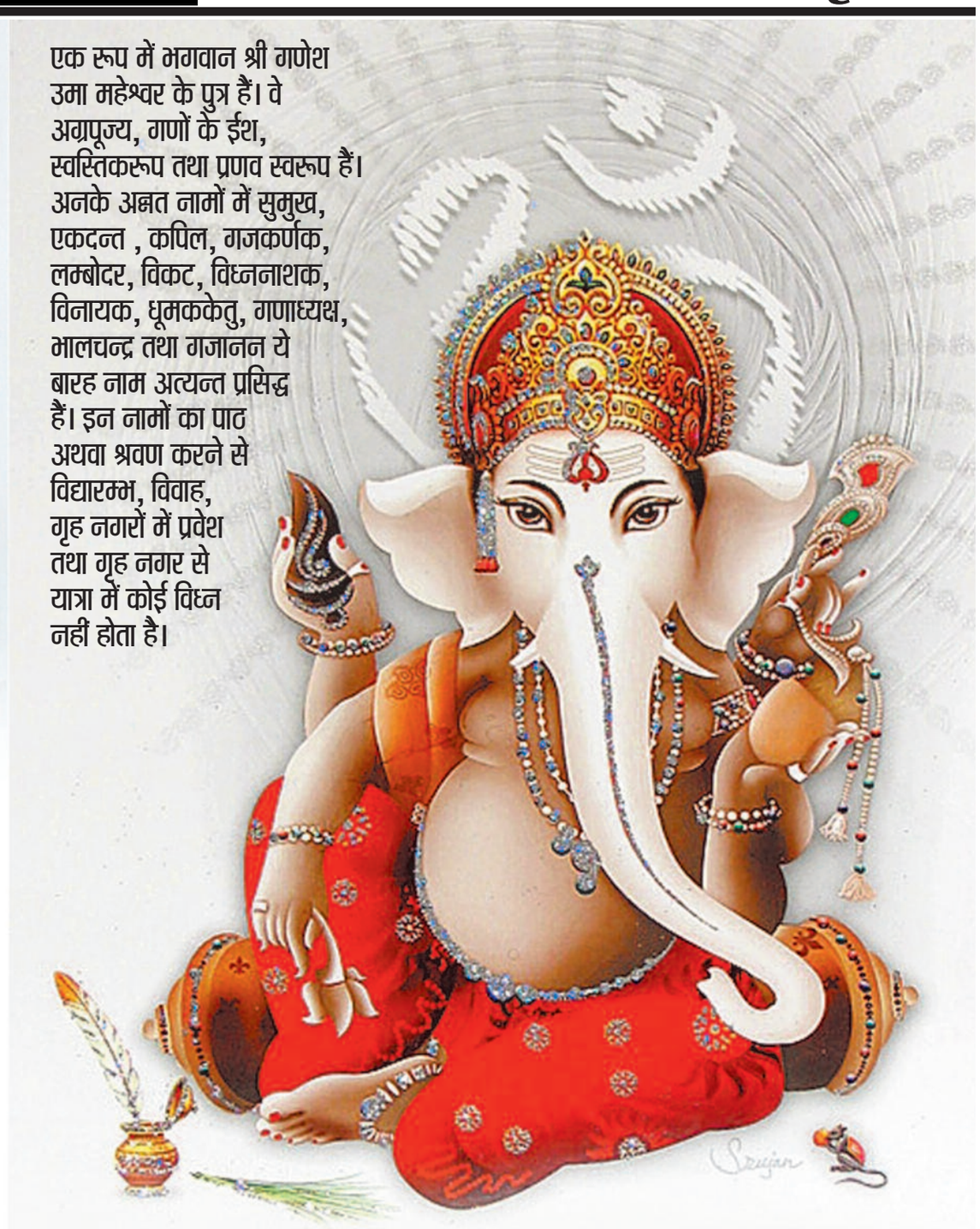

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता

गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूढ़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में

हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र

अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं-

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

डांडा नागराजा में अष्टादश महापुराण कथा में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

पौड़ी। देवभूमि उत्तराखंड के प्रसिद्ध सिद्धपीठ डांडा नागराजा मंदिर में आयोजित अष्टादश महापुराण श्रीमद्भागवत कथा एवं महायज्ञ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। सात जून से शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन के छठे दिन कथा वाचक मुनि अभय चैतन्यानंद महाराज ने नैतिकता, सदाचार और सत्याचरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों को अपनाकर व्यक्ति श्रेष्ठ जीवन और आदर्श समाज का निर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा कि वेदों, उपनिषदों और धर्मग्रंथों में सदाचार को जीवन का आधार बताया गया है। व्यक्ति का आचरण ही उसके व्यक्तित्व और सामाजिक प्रतिष्ठा का परिचायक होता है। नैतिक मूल्यों के बिना आत्मोन्नति संभव नहीं है तथा समाज और राष्ट्र के विकास के लिए भी नैतिकता आवश्यक है। उन्होंने भावी पीढ़ी को नैतिक शिक्षा देने पर बल देते हुए कहा कि चरित्रवान और कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों के निर्माण की जिम्मेदारी समाज की है।

धर्म और संस्कृति के संवर्धन का माध्यम बना आयोजन

श्री डांडा नागराजा धर्मक्षेत्र विकास समिति द्वारा आयोजित

इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण, पूजा–अर्चना और यज्ञ में सहभागिता कर रहे हैं। समिति के संस्थापक सुभाष चन्द्र देशवाल ने बताया कि डांडा नागराजा उत्तराखंड के प्रमुख सिद्धपीठों में शामिल है, जहां भक्त अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए आते हैं। आयोजन के दौरान कथा प्रवचन, वैदिक अनुष्ठान, भजन–कीर्तन और यज्ञ के माध्यम से धर्म एवं संस्कृति का संदेश प्रसारित किया जा रहा है। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और दूर–दराज से पहुंचे श्रद्धालु भगवान नागराजा के दर्शन कर सुख–समृद्धि की कामना कर रहे हैं। श्री डांडा नागराजा मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद भागवत महापुराण कथा के दौरान संत महात्माओं व महामण्डलेश्वरों का भी बीच में बीच में आगमन हुआ उनके आगमन से श्रद्धालुओं और कथा श्रवण करने वाले भक्तों को दर्शन हुए।

आज होगी पूर्णाहुति और भंडारा

आयोजन के अंतिम दिवस सोमवार को महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ज्येष्ठ प्रमुख कोट उपेंद्र भट्ट, मंदिर समिति अध्यक्ष कमलेश चमोली, सचिव राजेंद्र प्रसाद बिजलवां, संयोजक बीरेंद्र प्रसाद भट्ट, मुख्य पुजारी किशोर देशवाल,मीडिया संयोजक आनंद नागोई सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रिपोर्ट जगमोहन डांगी

रोडवेज बस और बुलेट की भिड़ंत, महिला समेत तीन गंभीर घायल

रुड़की। दिल्ली–हरिद्वार हाईवे पर एक बाइक और रोडवेज बस में आमने–सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में बुलेट सवार एक महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुलेट के परखच्चे उड़ गए। सभी घायल उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले हैं जो हरिद्वार की तरफ से लौट रहे थे। मंगलौर कोतवाली पुलिस के अनुसार, शनिवार देर रात दिल्ली–हरिद्वार हाईवे पर बिझौली गांव के पास हरिद्वार की ओर से आ रही एक बाइक की रोडवेज बस से जोरदार भिंडत हो गई। चीख–पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को राहगीरों की मदद से पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में डॉक्टरों ने एक युवक की नाजुक हालत को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया।

पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों को हैं मूलभूत सुविधाओं का इंतजार : चौहान

नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच टिहरी जिले के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को आयोजित किया गया। दायित्वधारी खेम सिंह चौहान ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि आंदोलकारियों का सपना तब पूरा होगा, जब पहाड़ के दूर दराज क्षेत्रों के लोगों को वहीं पर मूलभूत सुविधाएं मिलनी शुरू होगी। बौराड़ी के सामुदायिक मिलन केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में दायित्वधारी चौहान ने राज्य आंदोलनकारी मंच के जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश भूषण गोदियाल सहित सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। दायित्वधारी चौहान ने कहा कि कई लोगों की शहादत के बाद हमें अलग राज्य मिला। आदर्श राज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी को मिलजुल कर प्रयास करने की जरूरत है। मंच के अध्यक्ष डॉ. गोदियाल ने कहा कि मातृ शक्ति से लेकर युवा, बजुर्ग के संघर्ष की बदौलत हमें अलग उत्तराखंड राज्य मिला। जिस उद्देश्य से अगल राज्य बनाया गया, वह अभी तक पूरा नहीं हो पाया। इसके लिए सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है। इससे पूर्व राज्य आंदोलनकारी मंच के पदाधिकारियों ने प्रसिद्ध निशानेबाज जसपाल राणा और एसआरटी परिसर टिहरी के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रहे योगेश पाल के निधन पर दुख जताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। मंच की ओर से इस अवसर पर कई लोगों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मंच संरक्षक सुंदरलाल उनियाल, संयोजक देवेंद्र नौडियाल, कार्यकारी अध्यक्ष राकेश राणा, जय प्रकाश पांडे, राजेंद्र प्रसाद बहुगुणा, हरेंद्र तोपवाल, जगदंबा प्रसाद रतूड़ी, किशोरी लाल चमोली, अनुसूया प्रसाद नौटियाल, कमल सिंह महर, महालक्ष्मी डंगवाल आदि मौजूद थे।

एक नजर

101 जल कलश की यात्रा निकाली

रुद्रप्रयाग। कार्तिक स्वामी मंदिर में 11 दिवसीय महायज्ञ व पुराण वाचन के दसवें दिन रविवार को दुर्गम पहाड़ी मार्गों के बीच से 101 जल कलशों की यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में करीब 15 हजार श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा में भगवान कार्तिकेय के जयकार लगे और महिलाओं ने भजन–कीर्तन गाए। बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने भी महायज्ञ में शामिल होकर क्षेत्र व राज्य की खुशहाली की कामना की। कार्तिकेय मंदिर समिति के अध्यक्ष बिक्रम सिंह नेगी ने बताया कि 11 दिवसीय महायज्ञ का समापन 15 जून को पूर्णाहुति प्रसाद वितरण के साथ होगा। इस मौके पर कथावाचक वासुदेव प्रसाद थपलियाल, सुधीर नौटियाल, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुमंत तिवारी, जिला पंचायत सदस्य चोपता संपन्न नेगी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बीर सिंह बुडेरा, कार्तिकेय मन्दिर समिति प्रबंधक पूर्ण सिंह नेगी, उपाध्यक्ष उत्तराज नेगी और सचिव बलराम सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

देवरियाताल–बनियाकुंड ट्रैक पर भटके पांच पर्यटक

रुद्रप्रयाग। देवरियाताल से बनियाकुंड ट्रैक पर रास्ता भटके पांच पर्यटकों का टीमों ने रेस्क्यू किया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि रविवार सुबह छह बजे एक व्यक्ति साहिल कुमार ने सूचना दी कि ट्रैक पर पांच लोग भटक गए हैं। सूचना पर डीडीआरएफ व एसडीआएफ की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि भटके हुए पर्यटकों को बनियाकुंड ट्रैक से स्यूंकुडी तक लाया गया। सभी पांच पर्यटक सुरक्षित हैं। रेस्क्यू किए गए यात्रियों में पुरुषोत्तम चौधरी निवासी रायपुर, छत्तीसगढ़, सचिन कुमार मिजोरम, आलोक कुमार दिल्ली, साहिल कुमार पटना, बिहार तथा अभिजीत कुमार गोपालगंज, बिहार शामिल हैं। उनकी स्थिति सामान्य है।

कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने लिया प्रभावित क्षेत्र का जायजा

रुद्रप्रयाग। कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने खलियाण बांगर क्षेत्र में तीन दिन पूर्व हुई अतिवृष्टि से हुए नुकसान का स्थलीय जायजा लिया। उन्होंने आपदा प्रभावित परिवारों से मिलकर उनका हाल जाना और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित दिए कि सभी प्रभावित परिवारों को शीघ्र राहत पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि नुकसान का आकलन कर प्रभावितों को नियमानुसार मुआवजा एवं सहायता उपलब्ध कराई जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

46 अधिकारी गांवों का भ्रमण कर सुनेंगे समस्याएं

रुद्रप्रयाग। ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान गांव में ही करने के लिए शुरू किए गए सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत जून माह में जिले के 46 अधिकारी विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर जनता से सीधा संवाद करेंगे। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देश पर जारी रोस्टर के अनुसार अधिकारी ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के साथ ही मौके पर संबंधित विभागों से समन्वय कर शीघ्र निस्तारण करेंगे। साथ ही सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लोगों को लाभ दिलाने का कार्य करेंगे। जिलाधिकारी ब्लॉक जखोली की ग्राम पंचायत तुनेटा में समस्याएं सुनेंगे। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ब्लॉक ऊखीमठ की ग्राम पंचायत हुड्डू में, उप वन संरक्षक रजत सुमन ब्लॉक अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत आगर में, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा जयकंडी ग्राम पंचायत में, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार बावई ग्राम पंचायत में और जिला सूचना अधिकारी वीरेश्वर तोमर ग्राम पंचायत कुमडी में ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनेंगे।

महज कुछ फीट उंचे क्रश बैरियर के भरोसे है सुरक्षा

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर कर्णप्रयाग और गौचर के बीच गलनाऊं के पास तीखे मोड़ और तीव्र ढलान के कारण सड़क दुर्घटनाएं थम नहीं रही हैं। सुरक्षा के नाम पर यहां महज कुछ फीट उंचे क्रश बैरियर लगाए गए हैं और हादसा होने पर वाहन इससे पार होकर सीधे खाई में गिर रहे हैं। स्थिति यह है कि एक पुराना दुर्घटनाग्रस्त ट्रक आज भी यहां नदी किनारे खराब रहा है। हाल ही में बीते 23 मई को यहां एक दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने से एक युवक की मौत हो गई थी। 10 जून को फिर से हुए एक हादसे में दो लोग घायल हो गए। स्थानीय निवासी संजय लखेड़ा का कहना है कि यह मोड़ पिछले कई वर्षों से खतरनाक बना हुआ है। शासन–प्रशासन को सूचित करने के बाद भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए। वहीं एआरटीओ अभिषेक भटगांई का कहना है कि यहां पर सुरक्षा के इंतजाम के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों से वार्ता की जाएगी। साथ ही उच्चाधिकारियों को भी मामले से अवगत कराया जाएगा।

कर्णप्रयाग के सारस्वत ध्यानी बने भारतीय सेना में बने अफसर

चमोली। लंगासू के ग्वाड़ गांव निवासी प एसजीआरआर कर्णप्रयाग के छात्र रहे सारस्वत ध्यानी सेना में अफसर बने हैं। रविवार को स्कूल और अपने गांव लंगासू ग्वाड़ पहुंचने पर सारस्वत का भव्य स्वागत किया गया। पूर्ति विभाग में निरीक्षक वीरेंद्र प्रसाद ध्यानी के बेटे सारस्वत ध्यानी का चयन सीडीसी के माध्यम से हुआ। ट्रेनिंग के बाद सारस्वत शनिवार को हुई पासिंग आउट परेड में सेना में अफसर शामिल हुए। इससे पहले सारस्वत का चयन भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग अफसर के लिए भी हुआ था लेकिन सारस्वत ने थल सेना को चुना। एसजीआरआर के प्रधानाचार्य बीबी डोभाल बताते हैं सारस्वत ने चौथे प्रयास में सीडीएस की परीक्षा पास की।

14 सूत्रीय मांगों को लेकर भाकियू (नैन) ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिद्वार। भारतीय किसान यूनियन (नैन) के राष्ट्रीय चिंतन शिविर के समापन पर किसानों ने 14 सूत्रीय मांगों को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। इस मौके पर कृषि ऋण माफी और किसान आयोग गठन की मांग उठाई गई। अलकनंदा घाट पर आयोजित शिविर की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जोगेंद्र घासीराम नैन ने की। शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप सी–2 लागत पर 50 प्रतिशत लाभ जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दी जानी चाहिए। इसके अलावा कृषि ऋण माफी, राष्ट्रीय किसान क्षतिपूर्ति निगम की स्थापना, किसान आयोग का गठन तथा हरिद्वार में किसान भवन निर्माण की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। उन्होंने कहा कि कृषि को उद्योग का दर्जा देकर उसके लिए पृथक बजट निर्धारित किया जाए। साथ ही फसल बीमा योजना को समाप्त कर प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान का उचित मुआवजा किसानों को उपलब्ध कराया जाए। ज्ञापन में अमेरिका के साथ प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को निरस्त करने, बिजली क्षेत्र के निजीकरण पर रोक लगाने, ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराने तथा हाईटेंशन लाइन टावरों के मुआवजे में वृद्धि की

मांग भी शामिल की गई। इसके अलावा भूमि अधिग्रहण के लिए दो–तिहाई किसानों की सहमति अनिवार्य करने, मनरेगा को कृषि कार्यों से जोड़ने, नकली खाद एवं बीज बेचने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा कृषि सब्सिडी सीधे किसानों के खातों में भेजने की मांग भी उठाई गई। प्रदेश अध्यक्ष सुरेश राजपूत ने कहा कि देश का किसान आज भी अपनी उपज का उचित मूल्य, प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा तथा आर्थिक स्थिरता के लिए संघर्ष कर रहा है। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सुरेश राजपूत, हरिद्वार जिला उपाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप गिरी, राकेश चौहान, वाजिद, गुणी यादव, रेशभ, श्याम सिंह, पवन, देहरादून जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम गैरोला, उत्तराखंड प्रभारी सुरेश चिल्कर, प्रदेश प्रवक्ता रूपेश कुमार, बंगाल एवं दिल्ली अध्यक्ष कालूराम जयपुरिया, झारखंड अध्यक्ष उर्मिला शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

सार्वजनिक स्थान पर हंगामा कर रहे दो लोगों को चौखुटिया पुलिस ने पकड़ा

अल्मोड़ा। सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाकर शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में चौखुटिया पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ उत्तराखंड पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन प्रहारह्ण अभियान के तहत जनपद भर में शांति व्यवस्था भंग करने वालों और अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार के नेतृत्व में चौखुटिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार राजीव गोस्वामी निवासी चांदीखेत और राकेश निवासी फुलाई सार्वजनिक स्थान पर हंगामा कर शांति व्यवस्था प्रभावित कर रहे थे। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि दोनों के विरुद्ध उत्तराखंड पुलिस अधिनियम के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई है।

करड़िया के सतीश कर्नाटक सेना में बने लेफ्टिनेंट

बागेश्वर। जनपद के करड़िया गांव निवासी सतीश चंद्र कर्नाटक भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सतीश चंद्र कर्नाटक, रमेश चंद्र कर्नाटक और प्रेमा कर्नाटक के पुत्र हैं।

उन्होंने प्राथमिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालय भेटा से प्राप्त की। वर्ष 2011 में वह भारतीय सेना की सिग्नल कोर में सिपाही के पद पर भर्ती हुए। सेवा के दौरान उन्होंने अधिकारी बनने का लक्ष्य निर्धारित किया और लगातार तैयारी जारी रखी। कड़ी मेहनत और लगन के बल पर वर्ष 2025 में उनका चयन 34 एसएसबी प्रयागराज के माध्यम से हुआ।

इसके बाद उन्होंने भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सत्यापन अभियान में सात बाहरी व्यक्तियों पर पुलिस ने की कार्रवाई

अल्मोड़ा। जनपद में चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन प्रहारह्ण अभियान के तहत चौखुटिया पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाकर बिना पुलिस सत्यापन के रह रहे सात बाहरी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने सभी व्यक्तियों का सत्यापन कराने के साथ उनके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई भी की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर बाहरी मजदूरों, फड़–फेरी लगाने वालों, किरायेदारों और घरेलू सहायकों के अनिवार्य पुलिस सत्यापन के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार के नेतृत्व में मासी क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सात बाहरी व्यक्ति बिना पुलिस सत्यापन के निवास करते पाए गए। पुलिस ने उनके विरुद्ध पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कराई। पुलिस ने लोगों से अपने किरायेदारों, घरेलू सहायकों, बाहरी मजदूरों तथा अन्य बाहरी व्यक्तियों का अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराने की अपील की है।

दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज, विश्वविद्यालय में शोभायात्रा की रिहर्सल आयोजित

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में प्रस्तावित दीक्षांत समारोह की तैयारियों के तहत शनिवार को शिक्षा संकाय स्थित बीएड संकाय से अकादमिक शोभायात्रा की रिहर्सल आयोजित की गई। इस दौरान कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने तैयारियों का निरीक्षण कर विभिन्न समितियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। रिहर्सल के दौरान शोभायात्रा से जुड़े कार्यक्रमों का क्रमवार परीक्षण किया गया और आयोजन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। कुलपति ने शिक्षा संकाय में आयोजित बैठक में विभिन्न समितियों के संयोजकों और सदस्यों के साथ तैयारियों पर चर्चा करते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट ने दीक्षांत समारोह की तैयारियों की जानकारी देते हुए आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं का विवरण प्रस्तुत किया। रिहर्सल के दौरान दीक्षांत समारोह के संयोजक प्रो. डी.के. भट्ट, परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट, विधि संकायाध्यक्ष प्रो. ए.के. नवीन, कला संकायाध्यक्ष प्रो. हरीश जोशी, दृश्यकला संकायाध्यक्ष प्रो. शेखर चंद्र जोशी, वाणिज्य संकायाध्यक्ष डॉ. एच.आर. कौशल, शिक्षा संकायाध्यक्ष प्रो. रिजवाना सिद्धिकी, कुलानुशासक डॉ. दीपक सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा समितियों के संयोजक और सदस्य उपस्थित रहे।

मेधावी सम्मान समारोह में सौ छात्र–छात्राएं सम्मानित

रुड़की। कश्यप समाज के युवा नेता एवं समाजसेवी अंकुश राज के नेतृत्व में रविवार को नगर निगम रुड़की के सभागार में मेधावी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर परिवार एवं समाज का नाम रोशन करने वाले कश्यप समाज के 100 से अधिक छात्र–छात्राओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए अंकुश राज ने कहा कि शिक्षा ही समाज को नई दिशा देने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के मेधावी विद्यार्थी ही कल समाज और देश का भविष्य निर्धारित करेंगे। इसलिए बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। अरविंद कश्यप ने कहा कि समाज की प्रगति शिक्षित युवाओं के माध्यम से ही संभव है। पूर्व राज्य मंत्री नेपाल सिंह ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन

और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। पार्षद सचिन कश्यप एवं पूर्व पार्षद संजय कश्यप ने कहा कि मेधावी छात्रों का सम्मान समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करता है। सम्मानित विद्यार्थियों में शगुन कश्यप, सोनवीर सिंह कश्यप, दीया कश्यप, अमन कश्यप, ध्रुव कश्यप, युवा कश्यप सहित 100 से अधिक छात्र–छात्राएं शामिल रहे। सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। इस अवसर पर फकीरचंद कश्यप, अधिवक्ता अजय कश्यप, बॉबी कश्यप, शिवम कश्यप, आशीष कश्यप, संजय कश्यप सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विकास भवन में लगी उपलब्धियों की प्रदर्शनी

बागेश्वर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को विकास भवन सभागार में ह्य12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण केह्न थीम पर उपलब्धि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक पार्वती दास ने दीप प्रज्वलित कर किया। विधायक पार्वती दास ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने महिलाओं से स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रदर्शनी में कृषि, उद्यान, उद्योग, ग्राम्य विकास, स्वास्थ्य, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास समेत विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान लखपति दीदी लीला देवी और रीता देवी ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से मिली सफलता के अनुभव साझा किए। जिला विकास अधिकारी संगीता आर्या ने प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, लखपति दीदी योजना और मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

चलते ट्रक से गिरकर चालक की मौत, दो घायल

रुड़की। दिल्ली–हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार तड़के एक दर्दनाक हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम भी दुर्घटना का शिकार हो गई, जिसमें एक पुलिसकर्मी और एक होमगार्ड गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद हाईवे पर काफी देर तक अफरा–तफरी और जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह नारसन खुर्द स्थित एक रेस्टोरेंट के समीप सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि ट्रक का चालक बंटी जाटव (33) पुत्र सोहनलाल, निवासी ग्राम पला, पोस्ट गंगावली, जनपद बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) चलते ट्रक से अचानक नीचे गिर गया। गिरने के बाद वह ट्रक के पिछले पहिए की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। चालक के गिरने के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा घुसा।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक के शव को एंबुलेंस के माध्यम से रुड़की अस्पताल की मोर्चरी भेजने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने एंबुलेंस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

बिनसर वनाग्नि हादसे के शहीदों की पुण्यतिथि पर आयोजित हुई सभा

अल्मोड़ा। बिनसर वन्यजीव विहार क्षेत्र में 13 जून 2024 को वनाग्नि दुर्घटना के दौरान वन एवं पर्यावरण की रक्षा करते हुए शहीद हुए वन कर्मियों की स्मृति में शुक्रवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम बिनसर वन्यजीव विहार के प्रवेश द्वार स्थित स्वागत कक्ष में आयोजित हुआ, जहां वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय ग्रामीणों ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा में वक्ताओं ने वनाग्नि नियंत्रण के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वन कर्मियों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को याद किया। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को नमन किया। कार्यक्रम का संचालन वन दरोगा मोहित कुमार आर्या ने किया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्त्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO.
UTTHIN/2005/16338

प्रो लीग का टिकट दांव पर, ऑकलैंड में भारतीय महिला हॉकी टीम की बड़ी परीक्षा

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ऑकलैंड में शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है। कप्तान सलीमा टेटे की अगुआई में टीम का लक्ष्य टूर्नामेंट जीतकर अगले साल की प्रतिष्ठित एफआईएच प्रो लीग में जगह बनाना होगा। इस प्रतियोगिता की विजेता टीम को सीधे प्रो लीग का टिकट मिलेगा।

पूल चरण में अमेरिका, जापान और उरुग्वे से मुकाबला

भारत को पूल-ए में रखा गया है, जहां उसका पहला मुकाबला 15 जून को अमेरिका से होगा। इसके बाद 16 जून को जापान और 18 जून को उरुग्वे के खिलाफ मैच खेले जाएंगे। वहीं पूल-बी में मेजबान न्यूज़ीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस की टीमें शामिल हैं। भारतीय टीम मजबूत शुरुआत कर नॉकआउट चरण में लय बनाए रखना चाहेगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से मिला आत्मविश्वास – टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया का चार मैचों का दौरा किया, जहां उसने शानदार जुझारूपन दिखाया। पहला मुकाबला हारने के बाद भारत ने लगातार दो मैच जीतकर दमदार वापसी की। अंतिम मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीता और सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई। इस दौरे ने टीम को कठिन परिस्थितियों में खेलने का बहुमूल्य अनुभव दिया।

कोच मारिन ने जताया भरोसा

मुख्य कोच स्जोर्ड मारिन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरा टीम के लिए बेहतरीन तैयारी साबित हुआ। उनके अनुसार खिलाड़ियों ने चुनौतियों का शानदार तरीके से सामना किया और दुनिया की शीर्ष टीमों में से एक के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अब पूरा ध्यान नेशंस कप पर है और टीम इस अवसर का अधिकतम फायदा उठाना चाहती है।

ऑस्ट्रेलिया की तुर्किये पर जीत

स्कॉटलैंड की यादगार वापसी

दिन के दो मुकाबले रहे ड्रॉ

वैंकूवर (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे दिन चार मुकाबले पूरे हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तुर्किये को एकतरफा अंदाज में हरा दिया है। इसके बाद जर्मनी का सामना कुराकाओ से रात 10:30 बजे होना है। तीसरे दिन दो मैच बराबरी पर छूटे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के अलावा स्कॉटलैंड ने भी जीत दर्ज की है। फीफा विश्व कप के तीसरे दिन कुल पांच मुकाबले खेले जाने थे जिसमें से तीन मैच पूरे हो गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया और तुर्किये का मुकाबला जारी है। दिन के अंतिम मैच में जर्मनी का सामि कुराकाओ से होगा। फीफा विश्व कप का खुमार अब धीरे-धीरे सिर चढ़कर बोल रहा है और तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले खेले गए। एक तरफ कतर ने स्विट्जरलैंड को ड्रॉ पर रोका तो वहीं पांच बार की चैंपियन ब्राजील को विनिसियस जूनियर ने हार से बचाया। स्कॉटलैंड ने फुटबॉल के इस महाकुंभ में जीत से शुरुआत की।

मोरक्को ने ब्राजील को चौंकाया

पांच बार की चैंपियन ब्राजील की टीम फुटबॉल विश्व कप के अपने पहले मैच में असली रंग में नहीं दिखी और मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी के मैच में शुरू में पिछड़ गई। लेकिन विनिसियस जूनियर के गोल की बदौलत 1-1 से ड्रॉ हासिल करने में सफल रही। ब्राजील 2002 से खिताब नहीं जीत पाया है और उस पर इसका दबाव स्पष्ट नजर आ रहा था। दूसरी तरफ मोरक्को की टीम ने आक्रामक शुरुआत की। मोरक्को की टीम ने पहले 30 मिनट में ब्राजील के गोल पर 12 शॉट लगाए। उसने इस बीच इस्माइल सैबारी के 21वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने गोलकीपर एलिसन बेकर के ऊपर से एक शानदार चिप शॉट से यह गोल किया। विनिसियस जूनियर ने 32वें मिनट में बराबरी का गोल किया।

इंजरी टाइम में कतर ने की वापसी

फीफा विश्व कप के तीसरे दिन सबसे पहले कतर का सामना स्विट्जरलैंड से हुआ। बौलेम खौखी के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में किए गए गोल की मदद से कतर ने ग्रुप बी में मजबूत दावेदार माने जा रहे स्विट्जरलैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। ब्रील एम्बोलो ने 17वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्विट्जरलैंड को बढ़त दिलाई। एक समय उसकी जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन अंतिम सीटी बजाने से कुछ देर पहले लेवी स्टेडियम में 67,966 दर्शकों के सामने खेले गए मैच में खौखी ने हेडर से बराबरी का गोल दागकर कतर को विश्व कप में अपना पहला अंक दिलाया। कतर चार साल पहले अपने देश में विश्व खेले गए विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था और यहां पहले मैच में वह बहुत प्रभावित नहीं कर पाया।

स्कॉटलैंड की विश्व कप में शानदार वापसी

स्कॉटलैंड ने ग्रुप सी के मुकाबले में जीत से शुरुआत से की। स्कॉटलैंड ने हैती को 1-0 से हराया और पूरे तीन अंक जुटाए। स्कॉटलैंड ने इस तरह विश्व कप फुटबॉल में 32 साल बाद शानदार वापसी की। स्कॉटलैंड 1998 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहा है। उसने 1990 के बाद विश्व कप में अपनी पहली जीत हासिल की। तब उसने स्वीडन को 2-1 से हराया था। वह फिलहाल ग्रुप सी में शीर्ष पर है। स्कॉटलैंड के लिए जॉन मैकगिन ने 28वें मिनट में गोल दागा जो अंत तक निर्णायक साबित हुआ। पहले हाफ के बाद दोनों टीमों ने दूसरे हाफ में गोल करने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके।

ऑस्ट्रेलिया की एकतरफा जीत

ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप डी के मुकाबले में तुर्किये को एकतरफा अंदाज में 2-0 से हराया। तुर्किये की टीम पूरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को चुनौती नहीं दे सकी। ऑस्ट्रेलिया को पहले हाफ में नेसट्रोरी इरांकुडा ने बढ़त दिलाई। पॉल ओकोन इंग्सिटलर के पास पर इरांकुडा ने तुर्किये के डिफेंस को भेदा और गेंद को गोल पोस्ट के पार भेजा। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ में तुर्किये से 1-0 की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बढ़त दोगुनी कर ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए कोनोर मैटकेल्फे ने 75वें मिनट में गोल किया। ऑस्ट्रेलिया ने इस बढ़त को अंत तक बनाए रखा।

जर्मनी करेगी अभियान की शुरुआत

तीसरे दिन का आखिरी मुकाबला जर्मनी और कुराकाओ के बीच हुआस्टन में खेला जाएगा। यह मैच भारतीय समयानुसार रविवार की रात 10 :30 बजे से होगा। जर्मनी की टीम इसके साथ ही विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करने उतरेगी।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप

डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को वेस्टइंडीज ने चौंकाया, 7 विकेट से दर्ज की शानदार जीत

साउथैम्पटन (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन न्यूज़ीलैंड को अपने पहले ही मुकाबले में बड़ा झटका लगा। साउथैम्पटन में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूज़ीलैंड को 7 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में विजयी आगाज किया। इस जीत की सबसे बड़ी नायिका शेमेन कैंपबेल रहीं, जिन्होंने नाबाद 90 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

न्यूज़ीलैंड की अच्छी शुरुआत, लेकिन बड़ा स्कोर नहीं बना सकी – पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूज़ीलैंड को विकेटकीपर बल्लेबाज इज़ी गेज ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने 29 गेंदों में 39 रन बनाए, जिसमें 8 चौके शामिल रहे। हालांकि जॉर्जिया प्लिमर और कप्तान अमेलिया केर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहीं। मध्यक्रम में ब्रूक हॉलिडे ने 32 गेंदों पर 40 रन और मैडी ग्रीन ने 35 रन की उपयोगी पारी खेली। इन पारियों की बदौलत न्यूज़ीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए।

भारत-पाकिस्तान

के एल राहुल राहुल के सिक्स पर खुद को नहीं रोक पाए गंभीर, कैमरे में कैद हुआ रिएक्शन

धर्मशाला (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में टीम इंडिया ने सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। कप्तान शुभमन गिल की नाबाद 84 रन की पारी चर्चा में रही, लेकिन मैच के दौरान केएल राहुल का एक शानदार छक्का भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया।

गंभीर का रिएक्शन बना चर्चा का विषय – 22वें ओवर की आखिरी गेंद पर अफगानिस्तान के गेंदबाज जियाउर रहमान की गेंद को केएल राहुल ने कवर के ऊपर से शानदार छक्का जड़ दिया। राहुल का यह शॉट इतना बेहतरीन था कि आमतौर पर शांत रहने वाले भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर भी अपनी प्रतिक्रिया छिपा नहीं सके। कैमरे में गंभीर राहुल के शॉट से प्रभावित नजर आए।

एक ओवर में बटोरे 20 रन – राहुल ने जियाउर रहमान के उस ओवर में जमकर हमला बोला। 22वें ओवर में भारतीय बल्लेबाजों ने कुल 20 रन बटोरे, जिससे मैच पूरी तरह भारत की पकड़ में आ गया। राहुल की आक्रामक बल्लेबाजी ने अफगानिस्तान की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया।केएल राहुल ने सिर्फ 19 गेंदों में 39 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उन्होंने चार चौके और तीन शानदार छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 205.26 का रहा। राहुल की तेजतर्रार बल्लेबाजी ने भारत को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

प्लेयर ऑफ द मैच बने शुभमन गिल

गिल ने 66 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और दो छक्के शामिल रहे। उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत ने मुकाबला 13 गेंद शेष रहते सात विकेट से अपने नाम किया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।भारत और अफगानिस्तान के बीच धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में टीम इंडिया ने सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। कप्तान शुभमन गिल की नाबाद 84 रन की पारी चर्चा में रही, लेकिन मैच के दौरान केएल राहुल का एक शानदार छक्का भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया।

गिल ने खेली मैच जिताऊ पारी – 195 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को रोहित शर्मा के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसके बाद शुभमन गिल ने पारी को संभाला और इशान किशन (34) के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की।

संजू सैमसन के बाद केरल को मिला एक और युवा स्टार

इंडिया अंडर-19 टीम में मानव कृष्णा को मिली जगह

तिरुवनंतपुरम (केरल) (एजेंसी)। केरल की अंडर-19 टीम के कप्तान और होनहार विकेटकीपर-बल्लेबाज मानव कृष्णा को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए इंडिया अंडर-19 टेस्ट टीम में चुना गया है। भारत श्रीलंका में तीन वनडे और दो चार-दिवसीय टेस्ट मैच खेलेगा। पेरूरकडा के रहने वाले मानव को घरेलू सीजन में शानदार बल्लेबाजी और विकेट के पीछे बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में बुलावा मिला। कृष्णा ने पिछले अंडर-19 सीजन में 592 रन बनाए और कूच बिहार ट्रॉफी में लगातार शतक जड़े, जिसमें सौराष्ट्र के खिलाफ 189 रन और हैदराबाद के खिलाफ 144 रन की पारी शामिल थी।

मानव ने दिल्ली में अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत की और 12 साल की उम्र में केरल चले गए। वे केरल की अंडर-16 और अंडर-19 टीमों के कप्तान बने और अपनी लीडरशिप और एथलेटिक क्षमताओं के लिए पहचान बनाई। श्रीलंका सीरीज के लिए इंडिया अंडर-19 टेस्ट टीम में चुने जाने पर कृष्णा ने कहा, %मैं दाएं हाथ का बल्लेबाज और विकेटकीपर-बल्लेबाज हूं, और अंडर-19 टीम में चुने जाने पर बहुत खुश हूं। भारत के लिए खेलना हमेशा से मेरा सपना और लक्ष्य रहा है... मैं आत्मविश्वास से भरा हूं और साथ ही घबराया हुआ और उत्साहित भी हूं। मैंने दिल्ली में अपना करियर शुरू किया, फिर 12 साल की उम्र में केरल आ गया।

2025 केरल क्रिकेट लीग नीलामी में शामिल सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक मानव ने जनवरी 2026 में रणजी ट्रॉफी में गोवा के खिलाफ केरल के लिए अपना फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया। वे ओमान का दौरा करने वाली केरल टीम का भी हिस्सा थे। हस्य ट्रॉफी में 'प्रॉमिसिंग यंगस्टर' (होनहार युवा खिलाड़ी) का अवॉर्ड जीतने वाले इस युवा खिलाड़ी ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में खास ट्रेनिंग ली है। उनके छोटे भाई, माधव कृष्णा भी केरल की अंडर-19 टीम का हिस्सा हैं।

कोच जसपाल राणा के निधन से टूटीं मनु भाकर, भावुक पोस्ट से जताया दुख

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार निशानेबाज और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर अपने कोच और मार्गदर्शक जसपाल राणा के निधन से गहरे सदमे में हैं।

हाल ही में स्टेंट प्रक्रिया के बाद उत्पन्न हुई जटिलताओं के कारण नई दिल्ली में जसपाल राणा का निधन हो गया। वह 49 वर्ष के थे।

मनु भाकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने कोच के साथ तस्वीरें साझा करते हुए सिर्फ दो शब्द लिखे– अपूरणीय क्षति। इन शब्दों में उनके दुख और भावनात्मक लगाव की गहराई साफ झलक रही थी।

मनु के करियर को नई दिशा देने वाले गुरु जसपाल राणा सिर्फ एक कोच नहीं, बल्कि मनु भाकर के करियर के सबसे अहम स्तंभों में से एक थे। टोक्यो ओलंपिक 2020 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मनु का आत्मविश्वास बुरी तरह प्रभावित हुआ था। ऐसे कठिन दौर में राणा ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और फिर से शीर्ष स्तर पर वापसी करने के लिए प्रेरित किया। उनकी देखरेख में मनु ने शानदार वापसी की और पेरिस ओलंपिक 2024 में दो पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि भारतीय शूटिंग के इतिहास की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक मानी जाती है।

गगनजीत भुल्लर मोरक्को में संयुक्त 27वें स्थान पर पहुंचे

रबात (मोरक्को) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने तीसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे वह 20 लाख अमेरिकी डॉलर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को में संयुक्त 27वें स्थान पर पहुंच गए। चार बार के एएम ग्रीन आईजीपीएल विजेता और 11 बार के एशियन टूर चैंपियन ने चार अंडर 69 का स्कोर बनाया। उन्होंने पहले दो दौर में 70-74 का स्कोर बनाया था। करणदीप कोचर ने तीसरे दौर में दो अंडर 71 का कार्ड खेला और वह तीन दौर के बाद चार अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 43वें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अजीतेश संधू (74) का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा और वह संयुक्त 25वें स्थान से संयुक्त 47वें स्थान पर खिसक गए। इस बीच दो बार के मास्टर्स चैंपियन बुब्बा वॉटसन ने अपनी बढ़त बनाए रखी। उनका कुल स्कोर 15 अंडर है।

कोच मनीष ओझा ने कहा

वैभव 10 साल की उम्र से ही रोज सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक 100 ओवर बैटिंग करते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के पिछले दो सीजन में वैभव सूर्यवंशी के शानदार खेल ने भले ही सबको हैरान कर दिया हो, लेकिन उनके इतने सारे शॉट्स के लिए 'मसल मेमोरी' बनाने में 6 साल की कड़ी मेहनत लगी। उनके बचपन के कोच मनीष ओझा के मुताबिक यह युवा बल्लेबाज रोजाना आठ घंटे प्रैक्टिस करता था और 100 ओवर का सामना करता था। 15.5 साल की उम्र में वर्ल्ड क्रिकेट के सबसे रोमांचक बल्लेबाज को आईपीएल के शानदार सीजन के बाद यूनाइटेड किंगडम के टी-20 दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। इस सीजन में वे 237 से ज्यादा के जबरदस्त स्ट्राइक-रेट से 776 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे।

पटना में अपनी एकेडमी में आठ साल की उम्र से सूर्यवंशी को ट्रेनिंग देने वाले ओझा ने अपने शिष्य की कड़ी मेहनत और उनके माता-पिता संजीव और आरती के त्याग के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे माता-पिता अब 5 साल तक के बच्चों को एकेडमी में ला रहे हैं ताकि वे अपने बच्चों को अगला वैभव बना सकें। लेकिन ओझा ने कहा कि कहना आसान है, करना मुश्किल। तो जब सूर्यवंशी ने टेनिस बॉल से हार्डबॉल खेलना शुरू किया, तो 10 साल की उम्र से वे औसतन कितनी गेंदों का सामना करते थे? ओझा का जवाब सुनकर हर कोई हैरान रह जाएगा।

ओझा ने मीडिया को एक खास इंटरव्यू में बताया, देखिए, हम गेंदों की गिनती नहीं करते कि उन्होंने कितनी गेंदें खेलीं, लेकिन मैं आपको कम से कम एक अंदाजा दे सकता हूं कि वे 600 से ज्यादा गेंदें खेलते थे। फिर उन्होंने बताया कि दिन भर की ट्रेनिंग के दौरान वे 100 ओवर को कैसे बांटते थे। उन्होंने बताया, मैं आपको बताता हूं कैसे। लगभग 200-300 गेंदें मैं खुद थ्रोडाउन के जरिए देता था। और जब मैं थक जाता था, तो दूसरे सपोर्ट स्टाफ मेरी मदद करते थे। और जब वे थक जाते थे, तो हमारी एकेडमी के बॉलर उनकी मदद करते थे।